P372

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, शनिवार 07 फरवरी 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 88

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com

dainikindoresanket

dainikindoresanket

dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

कंपनी को अनुबंध निरस्ती का नोटिस भेजा

पेज-2

टी-20 वर्ल्ड कप का आगाज आज से

पेज-5

प्रदेश में बुजुर्गों के लिए शुरू हुई होप योजना

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- गिरफ्तारी के बाद बिगड़ी पप्पू यादव की तबीयत, आईजीआईएमएस से पीएमसीएच किए गए शिफ्ट
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय मलेशिया दौरे पर रवाना हुए
- अमेरिका की तरफ से भारत पर लगने वाला रिवाइज्ड 18% टैरिफ आज से लागू
- यमुना एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा, बस से उतरे लोगों को टैंकर ने कुचला; 6 की मौत
- महिला की शिकायत पर यूट्यूबर शादाब जकाती के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज
- अफगानिस्तान ने मस्जिद हमले पर पाकिस्तान का दावा खारिज किया
- अमेरिका-ईरान के बीच परमाणु समझौते पर अब अगले हफ्ते होगी बैठक-ट्रंप
- अमेरिका ने भारत पर रूसी तेल खरीद के लिए लगाया गया 25% टैरिफ पूरी तरह हटाया
- बसपा सुप्रीमो मायावती ने आज लखनऊ में पार्टी की राज्य स्तरीय बैठक बुलाई

शिक्षा विभाग के भ्रष्ट अधिकारी नरेन्द्र जैन का एक और कारनामा उजागर

किराए की अनफिट गाड़ी पर 13 लाख रुपए चुकाए

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● सरकारी खर्चों में मितव्ययिता के दावों के बीच इंदौर के शिक्षा विभाग से जुड़ा एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। शिक्षा विभाग के राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान कार्यालय में पिछले तीन वर्षों से एक निजी वाहन किराए पर अटैच है, जिस पर अब तक 13 लाख रुपये से अधिक का भुगतान किया जा चुका है, जबकि उसी वाहन की मूल कीमत मात्र लगभग 5 लाख रुपये बताई जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एक ओर सरकार खर्चों में कटौती और पारदर्शिता की बात करती है, वहीं इंदौर के शिक्षा विभाग में सरकारी धन को पानी की तरह बहाने का मामला सामने आया है। वही दूसरी और संबंधित कार्यालय में वाहन की आवश्यकता बताकर निजी एजेंसी से गाड़ी किराए पर ली गई थी। हैरानी की बात यह है कि तीन वर्षों में वाहन किराए के रूप में दिया गया भुगतान उसकी वास्तविक बाजार कीमत से ढाई गुना से भी अधिक हो चुका है। इसके बावजूद न तो वाहन खरीदने का प्रस्ताव रखा गया और न ही किराए की व्यवस्था की समीक्षा की गई।

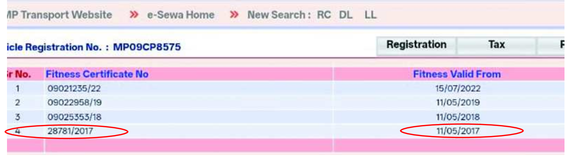

MP Transport Website » e-Sewa Home » New Search : RC DL LL

Vehicle Registration No. : MP09CP8575

Registration | Tax

Sr No.	Fitness Certificate No	Fitness Valid From
1	09021235/22	15/07/2022
2	09022958/19	11/05/2019
3	09025353/18	11/05/2018
4	28781/2017	11/05/2017

फिटनेस 2018 तक ही

मध्यप्रदेश परिवहन विभाग की वेबसाइट के अनुसार उपरोक्त गाड़ी नंबर एमपी 09 सीपी 8575 का फिटनेस भी 2018 तक का ही है वही इसका परमिट को लेकर कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। इस तरह सरकारी कार्यालय में अधूरे दस्तावेज वाली गाड़ी को अटैच किया जाना सरासर सरकारी नियमों को धज्जियां उड़ाया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक न तो वाहन खरीदने की कोई पहल की गई, न ही यह देखा गया कि लगातार किराए पर गाड़ी चलाना कितना नुकसानदेह साबित हो रहा है। विभागीय अफसरों की चुप्पी अब शक के घेरे में है। क्या यह सिर्फ लापरवाही है या फिर सरकारी पैसे को खुली छूट देने का सुनियोजित तरीका?

लॉगबुक नहीं संधारित

अगर यह गाड़ी निरीक्षण के उपयोग की जाना थी तो गाड़ी कहां गई और कितने किलोमीटर चली और किस स्कूल में निरीक्षण हुआ इसकी भी लॉग बुक मेनटेन होना चाहिए थी। लेकिन भ्रष्ट आचचरण में लिप्त नरेंद्र जैन ने इसका कोई भी रिकॉर्ड रखना उचित नहीं समझा। जिला शिक्षा अधिकारी के सूत्रों के अनुसार उक्त गाड़ी का उपयोग नरेन्द्र जैन अपने खुद के कार्यों के लिए करते थे। सरकारी स्कूलों के निरीक्षण के नाम पर लिए गए वाहन का उपयोग नरेन्द्र जैन कार्यालय से घर, घर से कार्यालय जाने के लिए करते थे। चूंकि लोक शिक्षण संचालनालय के कुछ अधिकारियों से उनकी सांठगांठ के चलते वे यहां मनमानी करते रहते थे।

सवाल यह भी उठ रहा है कि इतने लंबे समय तक महंगे किराए का भुगतान किसकी अनुमति से होता रहा और क्या इस खर्च की कभी ऑडिट या समीक्षा की गई।

अब देखना यह होगा कि मामला सामने आने के बाद शिक्षा विभाग और प्रशासन इस पर क्या कार्रवाई करता है, और क्या भविष्य में ऐसे खर्चों पर अंकुश लगाया जाएगा या नहीं जिस वाहन को एक बार खरीदकर सालों तक चलाया जा सकता था, उसी गाड़ी के लिए भ्रष्ट का पर्याय बने नरेंद्र जैन ने उसकी कीमत से दो गुना से भी ज्यादा रकम किराए में लुटा दी। सवाल यह है कि आखिर किसकी मेहरबानी से यह 'किराया राज' तीन साल तक चलता रहा?

शिक्षा जैसे संवेदनशील विभाग में इस तरह की फिजूलखर्ची सरकार की मंशा और निगरानी व्यवस्था दोनों पर सवाल खड़े करती है। जब स्कूलों में संसाधनों की कमी का रोना रोया जाता है, तब उसी विभाग में लाखों रुपये यूँ ही किराए में फूंक देना सरकारी संवेदनशीलता पर करारा तमाचा है।

अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि मामला उजागर होने के बाद जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई होगी या यह फाइल भी बाकी मामलों की तरह ठंडे बस्ते में डाल दी जाएगी।

लाडली बहना पर मंत्री वर्मा का यूटर्न

अब बोले-कौन माई का लाल बहनों का पैसा काटेगा बहनें ही हमारी शक्ति

राजगढ़ में कार्यक्रम के दौरान कहा- मेरी बात को तोड़-मरोड़कर पेश किया, मेरी कोई ऐसी भावना नहीं थी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● लाडली बहनों की राशि को लेकर राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा द्वारा सीहोर जिले में बयान के बाद किरकिरी होती देख अब वह शुक्रवार को अपने बयान से पलट गए हैं। उन्होंने राजगढ़ में लाडली बहनों से माफी मांगते हुए कहा कि कौन माई का लाल बहनों का पैसा काटेगा, पैसा मिलता रहेगा, वही तो हमारी शक्ति है। एक दिन पहले गुरुवार को मंत्री वर्मा ने सीहोर जिले के इच्छावर विधानसभा के गांव धामंदा में स्वास्थ्य विभाग के कार्यक्रम में जिले में लाडली बहनों को धमकी भरे लहजे में कहा था कि यदि लाडली बहनें कार्यक्रम में नहीं आएंगी तो उनके नाम कट जाएंगे।

बहनों को कांग्रेस के राज में पैसा मिलता था क्या? उनके इस बयान के बाद से वह लगातार घिरते जा रहे थे। वहीं राजगढ़ में एक कार्यक्रम में पहुंचे मंत्री वर्मा से जब लाडली बहनों को लेकर मीडिया द्वारा सवाल किए तो उन्होंने कहा कि मेरा पूरा वीडियो देखिए। कार्यक्रम था एक अस्पताल का। मैंने सबसे पहले बहनों को प्रणाम किया और अधिकारियों का कहा कि यहां धामंदा में ८८९ बहने हैं। उनको बुलाइए, मेरी अपनी की व्यवस्था करूंगा, उनसे चर्चा करूंगा।

सारे नियम कानून की बात करेंगे, नारी सशक्तिकरण की बात करेंगे, समूह की सारी चर्चा करेंगे। दीदी के बारे में बात करेंगे। हमारी कोई भावना ऐसी नहीं है। लेकिन उसको तोड़ मरोड़कर पेश किया। मैंने कहा था कि सबको बुलाइए मैं अपनी और से उनको भोज दूंगा। सारी जानकारी देंगे शासन की। समूह को कितना ऋण मिलता है, दीदियों को क्या मिलता है। मेरी ऐसी मंशा यह थी। अगर मान लो यह पैसा बहनों को मिल रहा है, तो मिलता रहेगा। डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व में बहनों को बहुत सम्मान हो रहा है। बजट में भी बहनों का बहुत सम्मान हो गया। यदि कोई त्रुटि हो गई तो उसके लिए में क्षमा चाहता हूं। कौन माई का लाल बहनों का पैसा काटेगा, पैसा मिल रहा है और मिलता रहेगा। वही तो हमारी शक्ति है।

अपेक्स बैंक अध्यक्ष के लिए महेंद्र यादव का नाम!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

ग्वालियर ● मोहन सरकार के 2 साल गुजरने पर निगम-मंडलों में नियुक्ति की सुगबुगाहट तेज हो गई है। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल, पूर्व बीज निगम अध्यक्ष महेन्द्र यादव, इमरती देवी, मुन्नालाल गोयल और अशोक जादौन दौड़ में सबसे आगे बने हुए हैं। ग्वालियर में कई अन्य नामों को लेकर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर के बीच कश्मकश देखी जा रही है।

अपेक्स बैंक में महेन्द्र का नाम: विधानसभा अध्यक्ष कोटे से विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण (साडा) या हाउसिंग बोर्ड में चेयरमैन के लिए जोर आजमाइश की जा रही है। आशीष अग्रवाल को महत्वपूर्ण पद मिलने की संभावना है। मुख्यमंत्री की पसंद पर अपेक्स बैंक अध्यक्ष के रूप में बीज निगम के पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र यादव का नाम लगभग तय माना जा रहा है। सिंधिया के करीबी और पूर्व मंत्री इमरती देवी या पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल में से एक को, तो विस अध्यक्ष के करीबी पूर्व विधायक अजब सिंह कुशवाह को कैबिनेट-राज्यमंत्री दर्जा देने की तैयारी है। अशोक जादौन को जीडीए की कमान देने पर सिंधिया और तोमर में कश्मकश जारी है।

सिंधिया गुट को थी तवज्जो- 2020 में भाजपा की सरकार बनवाने में ज्योतिरादित्य सिंधिया सूत्रधार बने थे। शिवराज सरकार में प्रदेश स्तर पर हुई नियुक्तियों में सिंधिया समर्थक पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल को बीज विकास निगम का अध्यक्ष और पूर्व मंत्री उद्योग निगम का अध्यक्ष बनाया गया था।

आरटीओ ने रैपिडो चालकों को छूट देने से किया इंकार

रोजी नहीं छीनेंगे, नियम मानने होंगे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● आरटीओ द्वारा 12 रैपिडो बाइक टैक्सी जब्त किए जाने की कार्रवाई के बाद शुक्रवार को बड़ी संख्या में रैपिडो चालक क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय पहुंचे। चालकों ने बताया कि वे रैपिडो के जरिए अपना घर-परिवार चला रहे हैं और इससे शहर के छात्रों व दैनिक यात्रियों को भी काफी सुविधा मिलती है। इसी वजह से कार्रवाई के बाद उनमें चिता का माहौल बना हुआ है। चालकों ने आरटीओ अधिकारियों से मुलाकात कर कहा कि वे सभी नियमों का पालन करने के लिए तैयार हैं, लेकिन कंपनी ने उन्हें कभी यह स्पष्ट नहीं बताया कि बाइक टैक्सी चलाने के लिए व्यावसायिक नंबर प्लेट और ट्रेड लाइसेंस जरूरी होता है। कंपनी उनसे केवल ड्राइविंग लाइसेंस, बाइक के कागज और आधार कार्ड लेती है।

मामले पर एआरटीओ अर्चना मिश्रा ने स्पष्ट किया कि आरटीओ किसी की रोजी-रोटी छीनना नहीं चाहता, लेकिन नियमों का पालन अनिवार्य है। बिना उचित अनुमति के हम संचालन की अनुमति नहीं दे सकते है। मिश्रा ने बताया कि इस मामले में अब रेपिडो के मुख्यालय हम नोटिस दे रहे हैं। उन्हें निर्देश दिए जाएंगे कि वह सभी नियमों के तहत ही संचालन करें। यदि नियमों का पालन नहीं हुआ तो शहर में बाइक टैक्सी सेवा को बंद कराया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस संबंध में ट्रैफिक डीसीपी को भी पत्र भेजा जा रहा है, ताकि बिना नियमों के चल रही बाइक टैक्सी सेवाओं पर कार्रवाई की जा सके। एआरटीओ राजेश गुप्ता ने सभी चालकों को इस संबध में नियमों की जानकारी दी।

ऑटो चालक पीट रहे : मामले में रैपिडो चलाने वाले एक युवक ने अधिकारियों से कहा कि वो बाहर से यहां पढ़ने आया है। खाली समय में यह काम करता है, जिससे कुछ कमाई हो जाती है, लेकिन दो दिन पहले ऑटो चालकों ने उसे बुकिग कर बुलाया और पीट दिया। इस पर अधिकारियों ने उसे पुलिस में शिकायत करने के लिए कहा।

यह है नियम

- इंदौर में रैपिडो (बाइक टैक्सी) चलाने के जरूरी नियम
- बाइक का व्यावसायिक पंजीकरण होना जरूरी
- पीली नंबर प्लेट के बिना सवारी ढोना अवैध
- वाहन के पास ट्रेड लाइसेंस होना चाहिए
- चालक के पास वैध ड्राइविग लाइसेंस
- वाहन का कमर्शियल बीमा और वैध पीयूसी
- चालक और सवारी दोनों के लिए हेलमेट अनिवार्य

5 हजार से ज्यादा कैश नहीं ले सकेगी पार्टी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भारतीय जनता पार्टी ने आजीवन सहयोग निधि अभियान में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए नए नियम लागू कर दिए हैं। अब 20 हजार रुपये से अधिक की सहयोग राशि देने वाले दानदाताओं से पैन कार्ड लेना अनिवार्य होगा, जबकि 5 हजार रुपये से अधिक की राशि नकद स्वीकार नहीं की जाएगी। पांच हजार से ऊपर की राशि केवल चेक या बैंकिंग माध्यमों से ही ली जाएगी। अभियान के संचालन के लिए जिलों में जिला प्रभारी और जिला सह-प्रभारियों की नियुक्ति की जा रही है। राज्य स्तर पर भी प्रभारी और सह-प्रभारी बनाए गए हैं। प्रदेश प्रभारी की जिम्मेदारी पूर्व विधायक गोपी कृष्ण नेमा को सौंपी गई है, जबकि पूर्व सांसद आलोक संजर और सतना के महापौर योगेश ताम्रकार को सह-प्रभारी बनाया गया है।

जुटाई गई राशि कहां खर्च होगी-भाजपा संगठन ने स्पष्ट किया है कि आजीवन सहयोग निधि के माध्यम से जुटाई गई राशि का उपयोग जिला कार्यालयों के संचालन, संगठन विस्तार, प्रशिक्षण शिविरों, बैठकों, नियमित प्रशासनिक खर्चों और कार्यकर्ताओं के प्रवास आदि पर किया जाएगा। अभियान के दौरान सहयोग राशि एकत्र करने के लिए जिलों में प्रभारी, सह-प्रभारी और सदस्यों की टीम बनाई गई है। ये टीमें दानदाताओं से संपर्क कर सहयोग निधि प्राप्त करेंगी। हर दानदाता को रसीद देना अनिवार्य होगा और प्राप्त राशि का पूरा लेखा-जोखा पार्टी के रिकॉर्ड में दर्ज किया जाएगा। नियमों के अनुसार, पांच हजार रुपये तक की राशि नकद या कूपन के माध्यम से ली जा सकेगी। पांच हजार रुपये से अधिक की राशि चेक द्वारा ही स्वीकार की जाएगी, जबकि बीस हजार रुपये से ऊपर सहयोग देने वालों का पैन कार्ड लेना अनिवार्य होगा। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि पूरे अभियान में पूर्ण पारदर्शिता रखी जाएगी, ताकि भविष्य में किसी भी तरह के सवाल या आपत्ति की गुंजाइश न रहे।

> आजीवन सहयोग निधि के लिए निर्धारित निर्देशों के अनुसार ही ली जाएगी। प्रदेश भाजपा के निर्देश पर यह अभियान 11 फरवरी से शुरू होकर 2 माह तक चलेगा। पार्टी ने इंदौर जिले का मुझे प्रभारी बनाकर जो भी लक्ष्य तय किया है, उसे मैं पूरा करने की कोशिश करूंगा।
>
> **- गोलू शुक्ला**, विधायक, क्षेत्र क्र. 3 और आजीवन सहयोग निधि प्रभारी, इंदौर जिला

अभियान को पूरी तरह टारगेट आधारित बनाया गया है। प्रदेश के प्रत्येक जिले को अलग-अलग राशि जुटाने का लक्ष्य दिया जाएगा, जिसे जिले के संगठनात्मक ढांचे, गतिविधियों और सालाना खर्च के अनुमान के आधार पर तय किया जाएगा। जिन जिलों में संगठन बड़ा और गतिविधियां अधिक हैं, वहां लक्ष्य भी उसी अनुपात में ज्यादा रखा जाएगा।

फिर लौटा ट्रेंड... देवी-देवताओं के नाम पर बच्चों का नामकरण

ज्योतिषाचार्यों के पास पर्यायवाची नाम तलाशने पहुंच रहे माता-पिता

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● अब नाम रखने का चलन बदल गया है। लोग अपने बच्चों का नाम भगवान, देवी-देवताओं और पवित्र नदियों के नाम पर रख रहे हैं, लेकिन यहां ज्यादातर लोग पर्यायवाची नाम पसंद कर रहे हैं। नगर निगम के सूत्रों के अनुसार अब जो प्रमाण-पत्र बन रहे हैं, उनमें जहां अपने बेटे का नाम जहां भगवान श्रीकृष्ण के नाम पर कृष्णा रखा तो अन्य प्रमाण-पत्रों में भगवान शिव के नाम पर शिवाय भी नजर आ रहा है। बच्चों के नामकरण के लिए इन दिनों माता-पिता सनातन परपंरा के अनुसार नाम तलाश रहे हैं। इसके लिए ज्योतिषाचार्यों के चक्कर काट रहे हैं। पंडितों के अनुसार एक बार फिर पुराना ट्रेंड शुरू हो गया है। लोगों के बीच राम, सीता, कृष्ण, राधा, लक्ष्मी, शिव, शंकर, संतोष, महेश, गणेश, विष्णु जैसे नामों के प्रति आकर्षण बढ़ा है, लेकिन उनके पर्यायवाची नाम भी तलाशे जा रहे हैं।

पहले आधुनिकता से प्रेरित होकर नाम रखते थे: ज्योतिषाचार्यों और पंडितों के अनुसार बीते दो-तीन बर्षों में बच्चों के नामकरण को लेकर परिजनों की प्राथमिकताएं बदली हैं। कुछ साल पहले तक आधुनिकता से प्रेरित होकर नाम रखते थे।

जो चलन में हैं प्रमुख पर्यायवाची नाम

- ***भगवान श्री कृष्ण :*** *कृषित, मावांश, गोविदित, माधव, यदुपति, अघहारी*
- ***भगवान शिव :*** *शिवांश, शिवाय, ईशान्वी, अकाय, रुद्र, कपर्दी*
- ***राम-सीता :*** *रामित, राघवांश, सीताइशा, अक्षर, अच्युत, अन्नाद*
- ***अन्य देवी-देवता :*** *उर्वी, आर्या, आराध्या, देविका, श्रीजी, श्रिया, ईशिता*

न्यूज ब्रीफ

8 फरवरी को खजराना मंदिर परिसर में सुंदरकांड का पाठ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● खजराना मंदिर इन्दौर में संगीत सुंदरकांड का पाठ 8 फरवरी 2026 को परम पूज्य गुरुदेव आश्विन कुमार पाठक के मुखारविंद से शाम 7 बजे से खजराना गणेश मंदिर प्रवचन हाल में होगा। गुरु जी अभी तक 9 हजार पांच सो तीस पाठ कर पूरे देश में चुके हैं। इस आयोजन में मुख्य रूप से पवार लिफ्टिंग एसोसिएशन, मध्यप्रदेश प्रदेश जिम ऑनर एसोसिएशन, श्री राम स्पोर्ट्स ग्रुप, खजराना लड्डू व्यापारी एसोसिएशन व शालीग्राम व्यामशाला का सहयोग रहेगा। यहां उपरोक्त जानकारी समाजिक कार्यकर्ता रामेश्वर चौहान व स्वतंत्र लेखक हरिहर सिंह चौहान ने संयुक्त रूप से प्रेस विज्ञप्ति में दी है।

रैपिडो बाइक टैक्सी को यातायात नियमों का पालन करना जरूरी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आरटीओ द्वारा 12 रैपिडो बाइक टैक्सी जब्त किए जाने की कार्रवाई के बाद शुक्रवार को बड़ी संख्या में रैपिडो चालक क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय पहुंचे। चालकों ने बताया कि वे रैपिडो के जरिए अपना घर-परिवार चला रहे हैं और इससे शहर के छात्रों व दैनिक यात्रियों को भी काफी सुविधा मिलती है। इसी वजह से कार्रवाई के बाद उनमें चिंता का माहौल बना हुआ है। चालकों ने आरटीओ अधिकारियों से मुलाकात कर कहा कि वे सभी नियमों का पालन करने के लिए तैयार हैं, लेकिन कंपनी ने उन्हें कभी यह स्पष्ट नहीं बताया कि बाइक टैक्सी चलाने के लिए व्यावसायिक नंबर प्लेट और ट्रेड लाइसेंस जरूरी होता है। कंपनी उनसे केवल ड्राइविंग लाइसेंस, बाइक के कागज और आधार कार्ड लेती है। मामले पर एआरटीओ अर्चना मिश्रा ने स्पष्ट किया कि आरटीओ किसी की रोज़ी-रोटी छीनना नहीं चाहता, लेकिन नियमों का पालन अनिवार्य है। बिना उचित अनुमति के हम संचालन की अनुमति नहीं दे सकते है।

लेसन प्लान विद्यार्थियों के साथ पूर्व से ही साझा करें-मोदी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में विद्यार्थियों से संवाद कर परीक्षा से जुड़े तनाव और शंकाओं का समाधान किया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के उत्कृष्ट विद्यालय, जबलपुर के छात्र आयुष तिवारी ने प्रधानमंत्री मोदी से प्रश्न किया कि कई बार वे शिक्षकों की पढ़ाने की गति से तालमेल नहीं बिठा पाते हैं, उसे कैसे मैच करें इस पर प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों को समझाते हुए शिक्षकों से भी आग्रह किया कि अपने अध्यापन की स्पीड विद्यार्थियों के सीखने की गति के अनुरूप रखें। लेसन प्लान विद्यार्थियों के साथ पूर्व से ही साझा करें। विद्यार्थी वह चेप्टर पहले से पढ़ें, अध्ययन करें जो शिक्षक भविष्य में कक्षा में पढ़ाने वाले हैं।

कंपनी को अनुबंध निरस्ती का नोटिस भेजा

कंपनी नहीं कर रही है शर्तों का पालन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● आईडीए द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के बेहतर रहन-सहन के उद्देश्य से योजना क्रमांक 134 में स्नेहधाम का निर्माण करवाया था। इसके संचालन एवं रख-रखाव का जिम्मा मे. होटल बालाजी सेंट्रल को दिया गया था। शर्तों का पालन नहीं करने और शिकायतों के चलते अब आईडीए ने कंपनी को अनुबंध निरस्ती का नोटिस भेजा है।

आईडीए अधिकारियों के अनुसार उक्त स्नहेधाम के रखरखाव के लिए तय एजेन्सी मो. होटल बालाजी सेंट्रल द्वारा निविदा की शर्तों अनुसार निर्धारित बैंक ग्यारंटी जमा नहीं की है, इसके फलस्वरूप कंपनी को सूचना पत्र दिया है। परन्तु संबंधित द्वारा बैंक ग्यारण्टी जमा नही किये

जाने से अनुबंध निरस्ती हेतु सूचना पत्र भेजा गया है। अधिकारियों ने बताया कि कतिपय तत्वों द्वारा यह भ्रम प्रचारित किया जा रहा है कि प्राधिकरण द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को नोटिस दिया गया है। जबकि वस्तुतः यह अनुबंध 'पनी और वरिष्ठ नागरिकों के बीच का है, जिसमें कंपनी अपने उद्देश्य से भटककर वहाँ रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों को सूचना पत्र के माध्यम से हटाना चाहती है।

हितों का संरक्षण होगा

प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालिक अधिकारी डॉ. परिक्षित झाड़े द्वारा बताया गया कि स्नेहधाम में रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों के हितों का संरक्षण प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा। अनुबंध निरस्त होने पर नवीन निविदा आमंत्रण तक सम्पूर्ण व्यवस्था सक्षम एनजीओ संस्था के माध्यम से संचालित की जाएगी। आपने बताया की प्राधिकारी द्वारा किसी भी वरिष्ठ नागरिक को असुविधा न हो, यह भी सुनिश्चित किया जाएगा।

पलासिया में आदर्श रोड पर अप्रैल में शुरू होगी पार्किंग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में बढ़ते यातायात दबाव को कम करने और पार्किंग व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में नगर निगम लगातार प्रयास कर रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को महापौर पुष्यमित्र पर निर्माणाधीन मल्टीलेवल पार्किंग भार्गव ने पलासिया स्थित आदर्श रोड परियोजना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि शहर में यातायात को सुगम बनाने के लिए पर्याप्त और व्यवस्थित पार्किंग सुविधाएं उपलब्ध कराना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सुभाष नगर की मल्टीलेवल पार्किंग पहले ही शुरू हो चुकी है, जबकि आदर्श रोड पर बीओटी आधार पर निर्मित की जा रही मल्टीलेवल पार्किंग को आगामी अप्रैल माह तक प्रारंभ करने का लक्ष्य रखा गया है।

150 कारों और 150 दोपहिया वाहनों की होगी व्यवस्था

महापौर ने बताया कि इस मल्टीलेवल पार्किंग में लगभग 150 कार और 150 दोपहिया वाहनों के खड़े करने की सुविधा होगी। पार्किंग शुल्क नगर निगम द्वारा निर्धारित दरों के अनुसार लिया जाएगा। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि निर्माण कार्य की गति फिलहाल कुछ धीमी है, लेकिन निगम द्वारा सभी पार्किंग परियोजनाओं में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं।

किशोर वाधवानी की केस से बचने की शातिर चाल, जज के मृत पिता को बताया अपना दोस्त

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● गुटखा किंग किशोर वाधवानी ने केस सुनवाई से बचने के लिए शातिर चाल चली। वाधवानी ने चार सौ बीसी के केस की सुनवाई कर रही न्यायाधीश शुभ्रा सिंह की कोर्ट से केस ट्रांसफर के लिए आवेदन लगा दिया। इस आवेदन में लिखा कि न्यायाधीश सिंह के स्वर्गीय पिता न्यायमूर्ति शंभू सिंह से उनके करीबी संबंध रहे हैं। ऐसे में पीठासीन अधिकारी पर कोई आरोप नहीं लगे। इसके लिए वह चाहते हैं कि यह केस अन्य कोर्ट में ट्रांसफर किया जाए। लेकिन खुद न्यायाधीश शुभ्रा सिंह ने वाधवानी की पोल खोल दी।

वाधवानी ने आवेदन में यह लिखा- वाधवानी ने सत्र न्यायाधीश अजय श्रीवास्तव के पास अपने विरूद्ध चल रहे केस 536/25 की सुनवाई अन्य कोर्ट में शिफ्ट करने का आवेदन लगाया। यह केस 26वें अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शुभ्रा सिंह के यहां लगा है। यह केस तुकोगंज थाने में धारा 420, 467, 468 का है।

वाधवानी ने कहा कि न्यायाधीश शुभ्रा सिंह के पिता शंभू सिंह का निधन हो गया है। लेकिन उनका आवेदक से घनिष्ठ संबंध था। पीठासीन अधिकारी पर कोई आरोप नहीं लगे, इसलिए यह केस निष्पक्ष सुनवाई के लिए ट्रांसफर कर दिया जाए।

न्यायधीश शुभ्रा सिंह ने इस तरह खोली पोल-शुभ्रा सिंह ने इस मामले में कोर्ट में अपनी टिप्पणी रखी जिससे वाधवानी की पोल खुल गई। उन्होंने कोर्ट में बताया कि उनके पिता न्यायमूर्ति सिंह का इसआवेदक से कोई संबंध नहीं रहा है। उनकी मृत्यु तक उन्होंने कभी भी पिता के मुंह से इनके बारे में नहीं सुना। न ही कभी इन्हें पिता के निवास पर आते-जाते देखा। यह भी बताया कि इसके पहले भी वह एक अन्य केस में इनके केस की सुनवाई कर चुकी है। तब वह सीबीआई में विशेष न्यायाधीश के तौर पर 2009 से 2012 तक थी। इस दौरान इस तरह की आपत्ति कभी नहीं लगी।

वाधवानी सुनवाई बढ़वाने के लिए ये कर रहे-न्यायाधीश सिंह ने यह भी कोर्ट को बताया कि वह लगातार कोर्ट में इस केस की सुनवाई कर रही है। इसमें बार-बार आरोपों पर बहस के लिए जोर दे रहे थी, लंबी तारीख नहीं दी जा रही थी। इसलिए यह केस ट्रांसफर का आवेदन लगाया गया है। सभी तर्कों के सुनने के बाद सत्र न्यायाधीश ने वाधवानी की याचिका सिरे से खारिज कर दी।

मेट्रो परियोजना का प्रबंध संचालक ने किया निरीक्षण, निर्माण कार्यों को लेकर अधिकारियों को दिए यह निर्देश

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर मेट्रो परियोजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध संचालक एस. कृष्ण चैतन्य द्वारा परियोजना कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर विस्तृत प्रगति समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, समयबद्ध प्रगति तथा प्रस्तावित परिचालन से जुड़े विभिन्न तकनीकी एवं प्रबंधकीय पहलुओं का अवलोकन किया। प्रबंध संचालक एस. कृष्ण चैतन्य ने निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप एवं तय समयसीमा में पूर्ण किए जाएं, ताकि यात्रियों को सुरक्षित, विश्वसनीय एवं आधुनिक मेट्रो सेवा उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि इंदौर मेट्रो के आगामी सेक्शनों को शीघ्र ही परिचालन हेतु तैयार किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने सभी ठेकेदारों एवं अधिकारियों को कार्यस्थलों पर उपस्थिति बढ़ाने तथा उपलब्ध मैनपावर का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

गुरुवार, 5 फरवरी को प्रबंध संचालक ने मालवीय नगर से स्टेशन SC-02 तक के खंड का निरीक्षण किया। इस दौरान स्टेशन परिसर, अप्रोच मार्ग, यात्री सुविधाओं एवं फिनिशिंग कार्यों की गुणवत्ता का जायजा लिया गया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

प्रगति की समीक्षा-शुक्रवार, 6 फरवरी को विभिन्न मेट्रो पैकेज की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। अधिकारियों द्वारा निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति एवं आगामी कार्ययोजना की जानकारी प्रस्तुत की गई।

ग्रामीण एसपी भूटिया ने देपालपुर नगर की जनता से किया जनसंवाद

एसपी ने तत्काल दिए कार्यवाही के निर्देश

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● **दैनिक इंदौर संकेत**

देपालपुर ग्रामीण अंचल में पुलिस और आम जनता के बीच मजबूत भरोसा मिले इसी उद्देश्य को लेकर देपालपुर में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम की महत्वपूर्ण पहल की गई। ग्रामीण एसपी यांगचेन डोलकर भूटिया ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर संवाद किया है। एसपी के सामने आम जनता ने खुलकर अपनी बात रखी कई विषयों पर तत्काल निराकरण करने के निर्देश भी एसपी ने दिए।

यातायात व्यवस्था नगर का सबसे गंभीर मुद्दा है जिसको लेकर नगर में आए दिन जाम समस्या बनी रहती है कही बार स्कूल बस तो कही बार एम्बुलेंस जाम में फंस जाती है देपालपुर नगर का सबसे गंभीर मुद्दा है साथ ही स्कूली छात्राओं और ग्रामीणों ने सुरक्षा, ट्रैफिक और अन्य मुद्दों पर अपनी बात रखी। लोगों ने क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगाने और ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने की मांग भी की। एसपी ने

सभी शिकायतें सुनकर थाना प्रभारी रणजीत सिंह बघेल को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनसंवाद के दौरान कई लोगों ने देपालपुर और इंदौर ग्रामीण पुलिस की बेहतर कार्यप्रणाली की सराहना भी की। मंच से संबोधित करते हुए एसपी ने जनता को साइबर फ्रॉड से बचने के उपाय बताए और समझाया कि ऑनलाइन ठगी से कैसे सतर्क रहना चाहिए। इस मौके पर तहसीलदार धर्मेंद्र चौकसे नायब तहसीलदार नागेंद्र त्रिपाठी एसडीओपी संघ प्रिय सम्राट थाना प्रभारी रणजीत सिंह बघेल सीएमओ बहादुर सिंह रघुवंशी भी मौजूद थे।

जिनकी एसआईआर में ड्यूटी उन्हें परीक्षा कार्य से मिली छूट

100 से अधिक नए शिक्षकों को इस कार्य में लगाया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● एसआईआर कार्य में जिन शिक्षकों की ड्यूटी लगी और उनकी बोर्ड परीक्षा में भी ड्यूटी लगा दी थी। ऐसे 100 से अधिक नए शिक्षकों को लगाने का आदेश जारी हुआ है। हालांकि अभी-भी कुछ शिक्षक है जिन्हें दोनों काम करना पड़ेंगे। गुरुवार को कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा था कि हम उन शिक्षकों को परीक्षा कार्य से मुक्त करने की कोशिश करेंगे, जिनकी ड्यूटी एसआईआर कार्य में लगी हुई है। जिला शिक्षा अधिकारी शांता स्वामी भार्गव ने बताया कि हमने केंद्राध्यक्ष व सहायक केंद्राध्यक्ष को दो भागों में बांट दिया है। जिनकी ड्यूटी सीएस और एसीएस में लगी है वे अब एसआईआर का कार्य नहीं करेंगे और जो पहले से एसआईआर का कार्य कर रहे है, उन्हें परीक्षा के कार्य से मुक्त कर दिया गया है उनके स्थान पर 136 नए शिक्षकों को नियुक्त किया गया है।

100 से अधिक शिक्षकों को मिली राहत

उन्होंने बताया कि पर्यवेक्षकों को दोनों कार्य करना पड़ेंगे। वे पहले सुबह परीक्षा केंद्रों पर जाकर परीक्षा लेंगे और दोपहर बाद एसआईआर का कार्य करेंगे। जानकारी के मुताबिक अब तक 100 से अधिक शिक्षकों की परीक्षा ड्यूटी से मुक्त कर दिया गया है, और उनके स्थान नए शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है।

एसआईआर के कारण पर्यवेक्षकों की आ रही कमी जानकारी के मुताबिक एसआईआर का कार्य 10 फरवरी तक पूरा करना है, जिसके तहत शिक्षा विभाग का 60 प्रतिशत अमला इस कार्य में लगा हुआ है। ऐसे में अब परीक्षा कार्य में लगने वाले पर्यवेक्षकों की कमी महसूस हो रही है। हालांकि जिन शिक्षकों की पर्यवेक्षक के रूप में ड्यूटी लगाई गई है, उन्हें एसआईआर का कार्य करते रहना होगा। शुक्रवार को प्राचार्यों की बैठक हुई, जिसमें सैकड़ों शिक्षकों की कमी होना बताया गया है।

कई स्कूलों में फर्नीचर, पानी, शौचालय की समस्या

मालव कन्या स्कूल में हुई परीक्षा केंद्रों के प्राचार्यों की बैठक हुई। जिसमें प्राचार्यों ने अपने-अपने स्कूलों में फर्नीचर, शुद्ध पानी, शौचालय की कमी की समस्या डीईओ को बताई। इस पर इन सभी प्राचार्यों को अपने यहां इन सभी जरूरतों को पूरा करने के लिए कहा गया है।

शिक्षकों का अभाव बना, विजिटिंग फैकल्टी से छात्रों को पढ़ाया जा रहा

विवि का बिगड़ा अनुपात नैक की ग्रेडिंग पर पड़ेगा असर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● विश्वविद्यालय में इस बार नेशनल असेसमेंट एंड एक्रेडिएशन काउंसिल (नैक) का नए प्रक्रिया के तहत मूल्यांकन होना है। नैक की प्रक्रिया के पहले शिक्षकों और छात्रों का अनुपात बड़ी समस्या बना हुआ है। विश्वविद्यालय भले ही ए प्लस प्लस का लक्ष्य रखकर तैयारी कर रहा है, लेकिन शिक्षक-छात्र अनुपात काफी बिगड़ा हुआ है। सालों से नियुक्तियां नहीं होने और हर साल सेवानिवृत्ति से शिक्षकों का अभाव बना हुआ है। विजिटिंग फैकल्टी से छात्रों को पढ़ाया जा रहा है। हालांकि विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थान नैक से मान्यता लेने में पीछे चल रहे हैं। नैक की मान्यता नहीं रहने से संस्थानों को केंद्रीय फंड का नुकसान होता है। साथ ही नैक की मान्यता से एक साख भी जुड़ी रहती है। संस्थानों में शैक्षणिक गतिविधि, शोधकार्य, लैब, पुस्तकालय, आधारभूत संरचना आदि की गुणवत्ता के आधार पर नैक के द्वारा ग्रेड दी जाती है।

छोटे-छोटे महाविद्यालय भी एक्रीडिएशन की रेस में: सूत्रों के अनुसार अब शिक्षण-सीखने की क्षमता, असेसमेंट, समाज में

बदलाव, एंटरप्रिन्योर, स्पोर्ट्स, कला, संगीत, एनसीसी, एनएसएस, स्टार्टअप, शोध, यूजीसी दिशा-निर्देश लागू करने के आधार पर नैक मूल्यांकन में अंक मिलेंगे। मतलब साफ है कि अब सिर्फ इंफ्रास्ट्रक्चर, क्लासरूम, कम्प्यूटर के नाम पर नैक की मान्यता नहीं मिल सकेगी। नए नियमों के तहत ग्रामीण इलाकों के छोटे-छोटे महाविद्यालय भी अब एक्रीडिएशन की रेस में दिग्गज आईआईटी, आईआईएम और विश्वविद्यालय को टक्कर दे सकेंगे।

संस्थानों को दी जाएगी तवज्जो: जानकारों के अनुसार एनईपी-2020 में गुणवत्ता युक्त शिक्षा और एक्रीडिएशन पर फोकस है। सरकार छात्रों की संख्या तो बढ़ाना चाहती है, लेकिन शिक्षा की गुणवत्ता से समझौता नहीं चाहती। अब एज्यूकेशन डिलिवरी, टीचिंग-लर्निंग, परीक्षा, प्रश्नपत्र तैयार करने के तरीके, छात्रों को समझ आया की नहीं इसे कैसे टेस्ट करते है, इन सभी बिंदुओं की परख होगी। इसके अलावा समाज में बदलाव लाने के लिए एंटरप्रिन्योर बनकर बदलाव या फिर समाज में गलत चीजों को रोकने पर काम करने वाले संस्थानों को भी तवज्जो दी जाएगी।

महाविद्यालय भी प्रभारी प्राचार्य के भरोसे-शिक्षाविदों के अनुसार नेक की ग्रेडिंग में पीछे रहने का मुख्य कारण संस्थानों में नियमित शिक्षकों, प्राचार्य का अभाव है। नैक से मान्यता प्राप्त करने में प्राचार्य की ही मुख्य भूमिका होती है। उच्च शिक्षा विभाग भले ही गुणवत्ता सुधार को लेकर लगातार प्रयास के दावे कर रहा हो, लेकिन हकीकत में डेवलपमेंट सिर्फ इंफ्रास्ट्रक्चर में नजर आ रहा है। वहीं शिक्षा की गुणवत्ता पर अब भी सवाल उठ रहे हैं। इसका अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि इंदौर सहित प्रदेश के 1360 में से 561 सरकारी महाविद्यालय हैं, इनमें से लगभग 30 को छोड़कर बाकि अन्य महाविद्यालय प्रभारी प्राचार्य के भरोसे हैं। प्रोफेसरों के कई पदों पर तो अतिथि विद्वान काम कर रहे हैं।

75 प्रतिशत पद नियमित शिक्षकों से भरना अनिवार्य

विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों को यूजीसी से अनुदान व मान्यता के लिए अपने यहां स्वीकृत पदों के विरुद्ध कम से कम 75 प्रतिशत पद नियमित शिक्षकों से भरना अनिवार्य है। इसके अलावा विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों को नैक/एनबीए/एनआईआरएफ रैकिंग प्राप्त करना जरूरी है। महाविद्यालयों में यूजीसी से राशि पाने के लिए तीन से अधिक कार्यक्रमों की पेशकश करनी होगी और कम से कम 60 प्रतिशत को मान्यता प्राप्त होनी चाहिए। यदि प्रस्तावित कार्यक्रमों की संख्या तीन से कम है, तो हर कार्यक्रम को मान्यता प्राप्त होनी चाहिए। शिक्षकों को यूजीसी वेतनमान या राज्य सरकार के मानदंडों का पालन करना होगा। साथ ही केंद्र और राज्य सरकार की आरक्षण नीति का पालन करना होगा।

आज से 7 मार्च 2026 तक होंगे गेहूं के लिए पंजीयन, 61 पंजीयन केन्द्र बनाए गए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशानुसार रबी विपणन वर्ष 2026-27 में जिले में गेहूं उपार्जन के लिए 61 गेहूं पंजीयन केन्द्रों का निर्धारण किया गया है। पंजीयन केन्द्रों के प्रबंधक, ऑपरेटर एवं विभागीय अधिकारियों को किसान पंजीयन से लेकर भुगतान की प्रक्रिया में शासन द्वारा दिए गए निर्देशों इत्यादि का विस्तृत प्रशिक्षण आई.पी.सी बैंक में दिया गया। गेहूं पंजीयन 07 फरवरी से 7 मार्च तक किए जाएंगे। पंजीयन निर्धारित 61 पंजीयन केन्द्रों पर, ग्राम पंचायत/तहसील/जनपद में स्थापित सुविधा केन्द्र एवं एमपी किसान एप्प पर निशुल्क किए जाएंगे। किसान स्वयं के मोबाईल से घर बैठे पंजीयन कर सकेंगे।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

इंदौर, शनिवार 07 फरवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

महाशिवरात्रि पर आस्था और पर्यावरण का संगम, 5100 तुलसी व बिल्वपत्र पौधों का करेगा वितरण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर श्री गुटकेश्वर धाम सद्गुरु परिवार न्यास द्वारा एक अनूठे और प्रेरणादायक आयोजन का आयोजन किया जा रहा है। 15 फरवरी को किला मैदान स्थित रानी लक्ष्मीबाई चौराहे पर आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए 5100 तुलसी और बिल्वपत्र के पौधों का नि:शुल्क वितरण किया जाएगा। न्यास के धीरज शुक्ला, चंद्रप्रकाश दुबे और मनीष प्रजापत ने बताया कि यह आयोजन दोपहर से प्रारंभ होगा, कार्यक्रम के दौरान भक्तों को तुलसी और बिल्वपत्र के पौधे वितरित किए जाएंगे, उन्हें पौधारोपण और उनके संरक्षण का संकल्प भी दिलाया जाएगा। बिल्वपत्र भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है और तुलसी का धार्मिक व औषधीय महत्व भी विशेष है। ऐसे में महाशिवरात्रि जैसे पावन पर्व पर इन पौधों का वितरण करना धार्मिक आस्था के साथ-साथ पर्यावरण संतुलन की दिशा में एक सार्थक प्रयास है।

नैराश्य के गर्त से आशा और विश्वास के शिखर तक पहुँचाने में सक्षम है गीता के संदेश

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● गीता हमारी आँखे खोलने वाला ग्रन्थ है। यह आँख विचार, विवेक और दिव्यता की दृष्टि प्रदान करती है। भगवद गीता वह दिव्य ग्रन्थ है जिसके संदेश नैराश्य के गर्त से व्यक्ति को आशा और विश्वास के शिखर तक पहुंचाने में सक्षम हैं। गीता की शुरुआत धृतराष्ट्र जैसे दृष्टिहीन पात्र के साथ होती है। यह अपने आप में अद्भुत तथ्य है कि जो गीता व्यक्ति को दिव्य दृष्टि प्रदान करती है उसकी शुरुआत एक दृष्टिहीन पात्र के साथ हो रही है। आज के वातावरण में समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए गीता हर दृष्टि से प्रासंगिक और बहुआयामी ग्रन्थ है। दुर्योधन ने महाभारत के युद्ध में किसी भी स्वजन से आशीर्वाद प्राप्त नहीं किया था जबकि अर्जुन को भगवान कृष्ण सहित विपक्ष के वरिष्ठों का भी आशीर्वाद मिला। जीवन में आशीर्वाद बहुत बड़ी पूंजी होती है। अहंकार और विनम्रता में अंतर देखना है तो दुर्योधन और अर्जुन के आचरण से समझा जा सकता है। गीता वर्तमान युग में पूरे विश्व के लिए मार्गदर्शक ग्रन्थ है।

सिंहस्थ मेले में एआई का उपयोग होगा लेवल-1 और 2 पार्किंग होगी हाईटेक

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● सिंहस्थ 2028 में आयोजित होने वाले सिंहस्थ मेले की पार्किंग व्यवस्था को हाईटेक बनाया जाएगा। इसके लिए पार्किंग में एआई तकनीक का उपयोग किया जाएगा। एआई सुविधा से युक्त दो पार्किंग उज्जैन के सिकंदरी और गंगेडी गांव में बनाई जा रही हैं। अधिकारियों ने इन्हें मेले से पहले तैयार करने के निर्देश दिए हैं। सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह और कलेक्टर रौशन सिंह ने आगामी सिंहस्थ 2028 में निजी वाहनों से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं के संभावित आगमन को देखते हुए पार्किंग स्थलों की कार्ययोजना पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि यातायात अवरुद्ध न हो, इसके लिए पार्किंग स्थलों को जोड़ने वाले मार्गों पर सुव्यवस्थित वाहन टर्निंग की सुविधा तथा सर्विस लेन के चौड़ीकरण की व्यवस्था की जाए। कलेक्टर ने बताया कि सिंहस्थ 2028 के दौरान लेवल-1 पार्किंग सिंहस्थ मेला क्षेत्र में ही रहेगी।

मुख्य मार्गों पर यातायात बाधित न हो

पार्किंग से श्रद्धालुओं का निर्गम इस प्रकार किया जाए कि मुख्य मार्गों पर यातायात बाधित न हो। पार्किंग स्थलों में आधुनिक तकनीकों और एआई का उपयोग कर श्रद्धालुओं को पार्किंग की रियल-टाइम स्थिति से अवगत कराया जाएगा। लेवल-1 और लेवल-2 पार्किंग स्थलों का चिन्हांकन कर विस्तृत कार्ययोजना बनाई जाएगी। लेवल-1 पार्किंग का उपयोग कम भीड़ वाले दिनों में किया जाएगा, जबकि लेवल-2 पार्किंग मेला क्षेत्र से 5 किलोमीटर से अधिक परिधि में रहेगी और इसका उपयोग अधिक भीड़ वाले दिनों में किया जाएगा।

घूसखोर पंडत के हीरो मनोज बाजपेई का पुतला जलाया गया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री परशुराम सेना के पंडित प्रकाश शर्मा (पप्पी) ने बताया कि फिल्म कार मनोज बाजपेई के मुखड़े को उल्टा कार घूसखोर पंडत नाम का टीज़र जारी हुआ है जिसमें किरदार द्वारा पंडित का अभिनय करते हुए घूसखोरी को बढ़ावा दिया है और ब्राह्मण समाज को बदनाम करने की कोशिश की है शाम 5:00 बजे मालवा मिल चौराहे पर उल्टे मुखुट के छोटे पुतला जलाया गया प्रदेश अध्यक्ष पंडित अनूप शुक्ला ने फिल्म निर्माता नीरज पांडे के साथ नेटफ्लिक्स और फिल्म की अनुमति देने वाले सेंसर बोर्ड से यह मांग करी है किस तरह की पिक्चरें और टाइटल को अनुमति न दे जो सवर्ण समाज को अपमानित करता हो प्रदर्शन के दौरान प्रमुख रूप से पंडित गौतम तिवारी सुदेश पांडे विजेंद्र दीक्षित, सुरेश शर्मा दीपक शर्मा, नंदकिशोर शर्मा, अशोक चतुर्वेदी, बाबूलाल जी, सचिन मिश्रा,बंसीलाल पुरोहित, सुरेश शर्मा, श्याम शर्मा सुनील शर्मा,मनीष शर्मा, नमन दुबे, अमित शुक्ला, विनीत पांडे, हरिओम शर्मा, मनीष शुक्ला, चंकी बाजपेई, रवि ओझा, योगेश शर्मा, श्रीमती रेनू शर्मा शाहित क्षेत्र के बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के सदस्य प्रदर्शन में उपस्थित रहे।

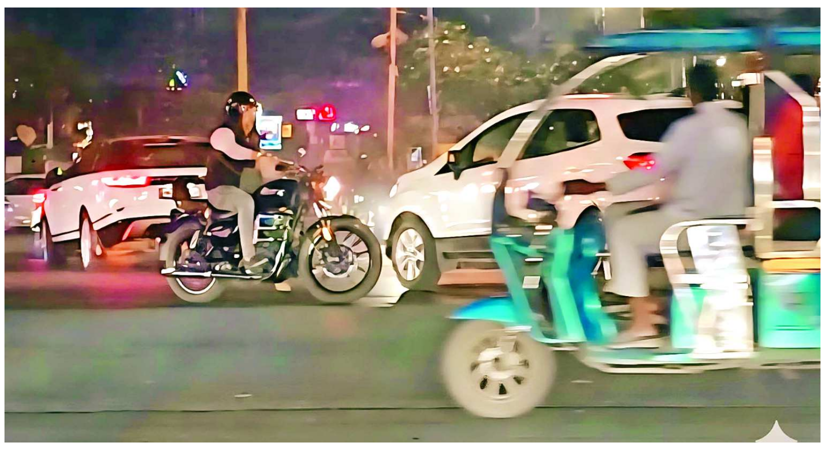

इंदौर ● सड़क सुरक्षा जागरूकता के निरंतर प्रयासों और अनेक अभियानों के बावजूद, यातायात नियमों का उल्लंघन एक गंभीर समस्या बनी हुई है। अपनी और दूसरों की जान जोखिम में डालकर नियमों की अनदेखी करना चिंता का विषय है। चित्र इन्द्र प्रस्थ चौराहे से हमारे पाठक राजकुमार जैन ने भेजा है।

प्रशासनिक न्यायाधिपति ने की सामुदायिक मध्यस्थता कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर के प्रशासनिक न्यायाधिपति न्यायमूर्ति श्री विजय कुमार शुक्ला द्वारा सामुदायिक मध्यस्थता कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक के दौरान कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक किए गए कार्यों, प्राप्त उपलब्धियों तथा भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रशासनिक न्यायाधिपति ने सामुदायिक स्तर पर विवादों के सौहार्दपूर्ण एवं त्वरित समाधान में सामुदायिक मध्यस्थता की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए सामुदायिक मध्यस्थता कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सामुदायिक मध्यस्थता से न केवल न्यायालयों पर भार कम होता है, बल्कि समाज में आपसी समझ, सहयोग एवं शांति भी सुदृढ़ होती है। बैठक में न्यायाधिपति ने जनसामान्य में मध्यस्थता के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा अधिक से अधिक मामलों को मध्यस्थता के माध्यम से सुलझाने पर विशेष बल दिया।

आरएएमपी योजना अंतर्गत प्लास्टिक इंडिया 2026 एक्सपोज़र विजिट का आयोजन 8 से 10 फरवरी तक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश की आरएएमपी एवं स्टार्टअप इकाइयों को नवीन तकनीक, औद्योगिक प्रवृत्तियों एवं राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय बाजार अवसरों से जोड़ने के उद्देश्य से भारत सरकार आरएएमपी योजना अंतर्गत 2026 एक्सपोज़र विजिट का आयोजन किया जा रहा है। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर का औद्योगिक आयोजन 8 से 10 फरवरी 2026 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित होगा। महाप्रबंधक उद्योग श्री स्वप्निल गर्ग ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत प्रदेश की प्लास्टिक, पैकेजिंग एवं मशीनरी सेक्टर से जुड़ी इकाइयों को आधुनिक मशीनरी, तकनीकी नवाचार, उत्पादन प्रक्रियाओं तथा निवेश एवं व्यापारिक नेटवर्किंग के अवसरों की जानकारी प्राप्त होगी। इस योजना का राज्य स्तर पर क्रियान्वयन मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम द्वारा किया जा रहा है। एक्सपोज़र विजिट पूर्णत: नि:शुल्क है, जिसमें फ्लाइट, होटल एवं भोजन सहित समस्त व्यय शासन द्वारा वहन किया जाएगा। इस आयोजन के लिए 8 फरवरी को सुबह 10 बजे इंदौर विमानतल से उद्योग प्रतिनिधियों का दल दिल्ली के लिये प्रस्थान करेगा।

मोटापे एवं मधुमेह के मरीजों के लिए शहर में पहली बार प्रत्येक निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों के आयोजन होंगे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● देश और प्रदेश में अनेक प्रमुख धर्म स्थलों पर भोजन शालाएं, अतिथिगृह एवं चिकित्सा सेवाएँ, गौसेवा के लिए अस्पताल सहित विभिन्न सेवा प्रकल्पों में अग्रणी रहने वाले बालाजी सेवार्थ विनोद अग्रवाल फाउंडेशन द्वारा अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति इंदौर एवं हेल्थ फॉर भारत फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 21 फरवरी से 10 अप्रैल तक प्रत्येक शनिवार-रविवार को लगातार निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन करने का निर्णय लिया गया है। पीड़ित मानवता की सेवा के पावन लक्ष्य से यह सेवा कार्य स्व. श्रीमती नीनादेवी अग्रवाल की पुण्य स्मृति में समस्त अग्रवाल बंधुओं के लिए आयोजित होगा। प्रथम चरण में 5 हजार परिवारों की जांच कराने का लक्ष्य रखा गया है।

फाउंडेशन के प्रमुख और अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के सरंक्षक विनोद अग्रवाल, केन्द्रीय समिति के अध्यक्ष प्रेमचंद गोयल, महामंत्री पवन सिंघानिया मोयरा, संयोजक जगदीश बाबाश्री ने बताया कि अब तक किए गए विभिन्न सर्वेक्षणों में यह तथ्य सामने आया है कि अग्रवाल समाज के करीब 75 प्रतिशत बंधु मधुमेह अथवा मोटापे या इन दोनों रोगों की चपेट में बने हुए हैं। हेल्थ फॉर भारत फाउंडेशन एवं अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति इंदौर की सहभागिता में बालाजी सेवार्थ विनोद अग्रवाल फाउंडेशन ने समाज की इस गंभीर स्थिति को संज्ञान में लेते हुए यह निर्णय लिया है कि आगामी 21 फरवरी से 10 अप्रैल तक शहर के जाने-माने विशेषज्ञ चिकित्सकों के मार्गदर्शन में सभी समाज बंधुओं के लिए निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किए जाएँ जिनमें अग्रवाल बंधुओं को सपरिवार आमंत्रित कर उनकी जांचें कराई जाए ताकि समय रहते उपचार भी शुरू हो सके।अभियान के संयोजक किशोर गोयल, अरविन्द वेल्यूअर एवं शीतल तोडीवाला के अनुसार इस अनूठे सेवा प्रकल्प का शुभारम्भ 21 फरवरी को अन्नपूर्णा मंदिर प्रांगण स्थित वेद भवन पर दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर के साथ होगा। इसी तरह 28 फरवरी एवं 1 मार्च को स्नेह नगर स्थित अग्रसेन भवन पर, 6 और 7 मार्च को मनोरमागंज स्थित गीता भवन पर, 14-15 मार्च को शिव मूर्ति नगर, मंगलमूर्ति के पास चितावद स्थित आनंद नगर गार्डन पर, 21-22 मार्च को एयरपोर्ट रोड, बड़ा बांगड़दा स्थित बाबाश्री गार्डन पर, 28-29 मार्च को पीपलियाहना स्थित अग्रवाल समाज के स्कीम 140 स्थित हाईटेक भवन पर तथा एमआर 10 स्थित दिव्य शक्ति पीठ पर 4-5 अप्रैल को निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित कर इन दोनों बीमारियों से ग्रस्त समाज बंधुओं की हर तरह की जांचे भी कराई जाएंगी और विशेषज्ञों से चिकत्सा परामर्श भी दिलाया जाएगा।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357,94245-83000

एकतरफा प्यार में हमला करने वाला आरोपी जेल में, सेंट्रल जेल भेजने की तैयारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के एरोड्रम क्षेत्र में 10 दिन पहले एक सिरफिरे प्रेमी वेदांत सोलंकी ने एकतरफा प्रेम में विधि नाम की युवती के घर जाकर हमला कर दिया था। इस हमले में विधि और उसकी मां अनीता घायल हो गईं, जबकि विधि के भाई विधान की मौत हो गई। आरोपी वेदांत ने भी खुद को घायल कर लिया था और उसका एमवाय अस्पताल में इलाज चल रहा था।दो दिन पहले उसे जिला जेल भेज दिया गया है। फिलहाल उसे विशेष बैरक में रखा गया है, क्योंकि उस पर हमले की आशंका जताई गई है। उसके स्थानांतरण को लेकर सेंट्रल जेल के वरिष्ठ अधिकारियों से गुजारिश की गई है।

एकतरफा प्यार में किया था हमला

आरोपी वेदांत की पहचान विधि से कोचिंग आने-जाने के दौरान हुई थी। वह प्रेम संबंधों को लेकर विधि पर एकतरफा दबाव बना रहा था। थाने में शिकायत के बाद वेदांत माफी मांगकर लौट गया था, लेकिन दो दिन बाद वह रात में फिर उनके घर पहुंचा और बातचीत के बाद विधि पर हमला कर दिया।उसे बचाने के प्रयास में भाई विधान घायल हो गया था, जिसकी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। इस घटना के बाद जैन समाज के लोगों ने वेदांत को फांसी देने की मांग की थी।इंदौर में कालानी नगर की चाकूबाजी अचानक हुई वारदात नहीं है। युवती ने पहले थाने में लिखित शिकायत दी, पुलिस ने एकतरफा प्यार में पागल युवक को समझाइश दी। आरोपी से माफीनामा भी लिखवाया गया। इसके बावजूद सिर्फ 24 घंटे बाद 26 जनवरी को खून बह गया। एक युवक की मौत हो गई, दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हैं।

जिला जेल में एरोड्रम में हुए हत्याकांड के आरोपी वेदांत शुक्ला को विशेष निगरानी में रखा गया है। यहां जेल प्रहरी उसकी कड़ी चौकसी कर रहे हैं। जिला जेल प्रशासन ने उस पर हमले की आशंका जताई है। इसी को लेकर सेंट्रल जेल के अधिकारियों को जानकारी दी गई है और उसे सेंट्रल जेल में रखने की मांग की गई है।

जिला जेल में विशेष कैदियों को रखने के लिए पर्याप्त सुरक्षा प्रबंध नहीं हैं। पिछले दिनों यहां कुछ कैदियों पर हमले की घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं। जेल सूत्रों के मुताबिक, एरोड्रम क्षेत्र में वेदांत द्वारा किए गए घटनाक्रम को लेकर अन्य विचाराधीन कैदियों में रोष है, जिसकी भनक जेल प्रशासन को लग गई है।इस मामले में जब जेल अधीक्षक जवाहर मंडलोई से बातचीत की गई तो उन्होंने बताया कि वेदांत को अन्य कैदियों से अलग रखा गया है। जब उनसे सेंट्रल जेल में स्थानांतरण को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि सेंट्रल जेल के अधिकारियों को इस संबंध में जानकारी दे दी गई है। उनके आदेश के बाद ही उसे यहां से हटाया जाएगा।

सम्पादकीय

चुनाव से पहले सौगातें, बाद में सवाल, अब हस्तक्षेप की बारी, मुफ्त उपहारों की राजनीति पर रोक की सुप्रीम कोर्ट से उम्मीद

देश में चुनावों के मद्देनजर राजनीतिक दलों की ओर से मतदाताओं को रिझाने के लिए जिस तरह मुफ्त तोहफों या उपहारों की राजनीति की जा रही है, उसने एक तरह से नतीजों की शुचिता को कसौटी पर रख दिया है। भारतीय राजनीति में पिछले कई वर्षों से यह प्रवृत्ति जटिल होती गई है। हालांकि इस मसले पर सवाल भी उठे हैं और मुफ्त तोहफों के जरिए मतदाताओं को प्रभावित करने को लोकतंत्र के लिए एक घातक चलन बताया गया है। विडंबना यह है कि लगभग सभी राजनीतिक दल इस प्रवृत्ति पर सवाल उठाते हैं, लेकिन मौका मिलने पर वे भी इसी तरीके को एक औजार की तरह इस्तेमाल करते हैं। खासतौर पर जो दल या गठबंधन सत्ता में होते हैं, वे वादों या घोषणाओं के साथ-साथ चुनावों के ठीक पहले कोई योजना या कार्यक्रम लागू करने के जरिए भी मतदाताओं को लाभ पहुंचाने की कोशिश करते हैं। समय-समय पर सुप्रीम कोर्ट ने भी मुफ्त उपहारों को भारतीय राजनीति में एक घातक प्रवृत्ति बताया है, लेकिन इस पर रोक को लेकर अब तक कोई ठोस नियमन सामने नहीं आ सका है। यही वजह है कि आज राजनीतिक दलों के बीच एक तरह की होड़ देखी जाती है कि वोट हासिल करने के लिए मतदाताओं को कौन कितना ज्यादा लाभ पहुंचाने की घोषणा करता है। नतीजतन, स्वच्छ चुनाव और विवादरहित नतीजे आज एक सदिच्छा की तरह लगने लगे हैं। राजनीतिक दलों से यह उम्मीद करना मुश्किल हो गया लगता है कि इस दिशा में वे अपनी ओर से कोई ऐसी पहल करेंगे, जो चुनावी जीत के लिए मुफ्त की रेवड़ियों के चलन पर रोक लगाएं। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इस मसले पर दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति दी है, तो इससे एक बार फिर मुफ्त की चुनावी रेवड़ियों पर लगाम लगने की उम्मीद जगी है। गौरतलब है कि करीब चार साल पहले सुप्रीम कोर्ट की एक पीठ ने केंद्र और निर्वाचन आयोग से उस याचिका पर जवाब मांगा था, जिसमें चुनाव से पहले 'अतार्किक मुफ्त उपहार की घोषणा' या इसे वितरित करने वाली राजनीतिक पार्टी का चुनाव चिह्न जब्त या उसका पंजीकरण रद्द करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। उस समय पीठ ने इसे गंभीर मुद्दा करार दिया था और कहा था कि कभी-कभी मुफ्त उपहार योजना का बजट नियमित बजट से अधिक हो जाता है।

पीड़ा की धरती पर आशा का वृक्ष: बाबा आमटे

कुछ लोग जन्म लेकर नहीं, बल्कि अपने कर्मों से अमर बनते हैं। वे समय की सीमाओं को लांघकर समाज की आत्मा में स्थायी स्थान बना लेते हैं। बाबा आमटे ऐसे ही विरले व्यक्तित्व थे, जिनका संपूर्ण जीवन करुणा, साहस और सेवा का उज्ज्वल प्रतीक बन गया। 9 फरवरी 2008 को भले ही उनकी देह नश्वरता में विलीन हो गई हो, परंतु उनके विचार आज भी असंख्य जीवनों को दिशा और ऊर्जा प्रदान कर रहे हैं।

बाबा आमटे: दुख की धरती पर स्वाभिमान का राजपथ

आनंदवन से राष्ट्रनिर्माण तक: बाबा आमटे की विरासत

वे केवल एक समाजसेवक नहीं, बल्कि मानवीय चेतना की सजीव अभिव्यक्ति थे, जिन्होंने पीड़ा को संबल और दुर्बलता को आत्मविश्वास में बदल दिया। उनके लिए सेवा कोई औपचारिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आत्मा की तपस्या थी। उन्होंने यह प्रमाणित किया कि स्थायी परिवर्तन बाहरी सहायता से नहीं, बल्कि अंतर्मन की जागृति से उत्पन्न होता है।

26 दिसंबर 1914 को महाराष्ट्र के हिंगणघाट, वर्धा में जन्मे मुरलीधर देवीदास आमटे का प्रारंभिक जीवन वैभव और सुविधा से सुसज्जित था। संपन्न परिवार में पले-बढ़े बाबा आमटे ने बचपन से ही ऐश्वर्य, प्रतिष्ठा और आधुनिक जीवनशैली का अनुभव किया। आकर्षक वस्त्र, तेज रफ्तार वाहन और सामाजिक सम्मान उनके दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा थे। किंतु इस भौतिक चमक-दमक के पीछे उनके मन में एक गहन बेचैनी निरंतर करवट लेती रहती थी। वे जीवन को केवल सुख-साधनों का साधन नहीं मानते थे, बल्कि उसे किसी महान उद्देश्य से जोड़ना चाहते थे। यही आंतरिक मंथन धीरे-धीरे उनके व्यक्तित्व को रूपांतरित करता गया और उन्हें आत्मकेंद्रित सोच से निकालकर सामाजिक दायित्व की ओर अग्रसर करता चला गया।

शिक्षा और बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में बाबा आमटे ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कीं। नागपुर से बीए और एलएलबी की उपाधि प्राप्त कर वे एक सक्षम और प्रतिष्ठित वकील बने। न्यायालयों में कार्य करते हुए उन्होंने देखा कि कानून की पहुंच अक्सर निर्बल और वंचित वर्ग तक नहीं हो पाती। निर्णय तो होते थे, परंतु पीड़ितों की पीड़ा अनसुनी रह जाती थी। इसी काल में एक उपेक्षित कुष्ठ रोगी को असहाय अवस्था में देखकर उनका अंत:करण विचलित हो उठा। समाज द्वारा ठुकराए गए उस मानव की दुर्दशा ने उनकी आत्मा को भीतर तक झकझोर दिया। उसी क्षण उन्होंने दृढ़ निश्चय किया कि वे अपना संपूर्ण जीवन उन लोगों के उत्थान के लिए समर्पित करेंगे, जिन्हें समाज ने उपेक्षा और तिरस्कार के अंधकार में छोड़ दिया है।

जब संकल्प सच्चा हो और उद्देश्य पवित्र, तब वह इतिहास का रूप ले लेता है। बाबा आमटे के इसी दृढ़ निश्चय ने 1949 में आनंदवन को जन्म दिया। चंद्रपुर जिले की वीरान और उपेक्षित भूमि पर स्थापित यह आश्रम केवल उपचार का केंद्र नहीं, बल्कि स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता की कार्यशाला बन गया। यहाँ पीड़ितों को सहानुभूति नहीं, सम्मान की अनुभूति कराई जाती थी। बाबा आमटे ने श्रम, शिक्षा और कौशल को जीवन की आधारशिला बनाया। प्रत्येक व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया गया, ताकि वह अपने भविष्य का निर्माण स्वयं कर सके। कृषि, हस्तकला, शिक्षण और उद्योग के माध्यम से आनंदवन आत्मगौरव का प्रतीक बन गया। यह स्थान टूटे हुए आत्मबल को फिर से जाग्रत करने का पावन स्थल बन गया।

एक व्यक्ति नहीं, टूटे जीवनों की पुनर्रचना बाबा आमटे की करुणा और संघर्ष की सीमा कभी किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं रही। उनका हृदय समाज के प्रत्येक उपेक्षित, शोषित और पीड़ित व्यक्ति के लिए धड़कता था। आदिवासी समाज, दिव्यांगजन, निर्धन परिवार और विस्थापित समुदाय सभी उनके संरक्षण और मार्गदर्शन के पात्र बने। वे दृढ़ विश्वास रखते थे कि मनुष्य का मूल्य उसकी परिस्थितियों से नहीं, बल्कि उसकी चेतना, साहस और आत्मसम्मान से मापा जाता है। उन्होंने लोगों के मन से हीनता की भावना को मिटाने का प्रयास किया और यह समझाया कि दुर्बलता कोई अभिशाप नहीं, बल्कि संघर्ष और सफलता की पहली सीढ़ी हो सकती है। उनका लक्ष्य केवल सहायता प्रदान करना नहीं था, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन का निर्माता बनाना था।

प्रकृति के प्रति बाबा आमटे की संवेदनशीलता उनकी दूरदर्शिता का प्रतीक थी। वे विकास के नाम पर पर्यावरण के अंधाधुंध विनाश के प्रखर विरोधी थे। नर्मदा बचाओ आंदोलन में उनकी सक्रिय सहभागिता इसी चेतना का प्रमाण बनी। उनका स्पष्ट मत था कि प्रगति तभी सार्थक है, जब उसमें मानव और प्रकृति दोनों का संरक्षण सुनिश्चित हो। उन्होंने संतुलित विकास की अवधारणा को केवल विचार तक सीमित नहीं रखा, बल्कि अपने जीवन में उसे आत्मसात किया। उनके लिए नदियाँ, जंगल और भूमि मात्र संसाधन नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की अमूल्य धरोहर थीं। उन्होंने समाज को बार-बार चेताया कि प्रकृति की उपेक्षा करने वाली सभ्यताएँ कभी स्थायी नहीं रह सकतीं।

जब राष्ट्र की आत्मा को जगाने का संकल्प जाग्रत हुआ, तब 1985 में 'भारत जोड़ो अभियान' का सूत्रपात हुआ। यह केवल एक पदयात्रा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता का महाअभियान था। बाबा आमटे ने पैदल चलकर गांव-गांव और नगर-नगर जाकर भाईचारे, सहयोग और सौहार्द का संदेश जन-जन तक पहुँचाया। उन्होंने लोगों को यह समझाया कि सशक्त राष्ट्र की नींव आपसी विश्वास और समानता पर टिकी होती है। यद्यपि उन्हें अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से अलंकृत किया गया, किंतु वे कभी इन उपलब्धियों के मोह में नहीं बंधे। पदक और उपाधियाँ उनके लिए महत्वहीन थीं। उनके लिए सबसे बड़ा पुरस्कार उन चेहरों की मुस्कान थी, जिन्हें उन्होंने आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान का मार्ग दिखाया। यही संतोष उनके जीवन की सबसे मूल्यवान पूंजी था।

त्याग, तपस्या और अटूट संकल्प से निर्मित एक व्यक्ति, एक विचार, एक युग बाबा आमटे का जीवन मानवता की अमर गाथा है। 9 फरवरी 2008 को भले ही उनका पार्थिव शरीर इस संसार से विदा हो गया हो, परंतु उनकी चेतना आज भी समाज के हर कोने में स्पंदित होती है। वे हमें यह शिक्षा देते हैं कि जीवन की सार्थकता केवल स्वयं के सुख में नहीं, बल्कि दूसरों के दु:ख को दूर करने में निहित है। प्रेम, करुणा और निरंतर परिश्रम से ही सामाजिक उत्थान संभव होता है। उनके आदर्श हमें निरंतर प्रेरित करते हैं कि हम अन्याय के विरुद्ध निर्भीक होकर खड़े हों और संवेदनशीलता को अपना आभूषण बनाएं। उनके विचारों को अपने जीवन में उतारना ही उनके प्रति सच्ची और स्थायी श्रद्धांजलि है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत',
बड़वानी (मप्र)

आंचलिक

सरपंच-सचिव पर 2.55 लाख के गबन का आरोप, विधायक निधि से भवन का निर्माण नहीं कराया

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • बड़वाह जनपद की ग्राम पंचायत बांगरदा में विधायक निधि की राशि के गबन का गंभीर मामला सामने आया है। यहां सरपंच उर्मिलाबाई महेश और तत्कालीन सचिव रामेश्वर ईगला पर बिना निर्माण कार्य किए 2.55 लाख रुपए से अधिक की राशि निकालने का आरोप है। विधायक सचिन बिरला ने काम शुरू न होने पर इस स्वीकृति को निरस्त कर दिया था। उन्होंने राशि ग्राम पंचायत बेड़िया को हस्तांतरित करने के आदेश दिए थे। इसके बावजूद, आदेश का पालन करने के बजाय, सरपंच और सचिव ने कथित तौर पर मिलीभगत कर सरकारी पैसा निजी खातों में निकाल लिया। इस फर्जीवाड़े का खुलासा बड़वाह जनपद के सीईओ मुकेश जैन ने किया है। उन्होंने बताया कि सरपंच और सचिव दोनों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उन्हें 6 फरवरी को सुबह 11 बजे सीईओ कार्यालय में उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करना होगा। दोनों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्यवाही की जाएगी।

बड़वाह में डिप्टी सीएम करेंगे 4 प्रमुख सड़कों का शिलान्यास, जूना बलवाड़ा से बामनपुरी तक बनेगा नया रास्ता

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा शनिवार बलवाड़ा पहुंच रहे हैं। यहां मंडी प्रांगण में आयोजित एक बड़े कार्यक्रम में वे करीब 24 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली चार सड़कों का भूमिपूजन करेंगे। इन सड़कों के निर्माण से न केवल धूल और कीचड़ से राहत मिलेगी, बल्कि जूना बलवाड़ा, बामनपुरी, सेल्दा और गोबरीखेड़ा जैसे दर्जनों गांवों के हजारों लोगों का सफर आसान हो जाएगा। डिप्टी सीएम जिन सड़कों का शिलान्यास करेंगे, उनमें सबसे बड़ी योजना जूना बलवाड़ा से बामनपुरी तक की 9 किलोमीटर लंबी सड़क है। इस पर अकेले 13 करोड़ 95 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा: बड़े आयोजन को देखते हुए गुरुवार को प्रशासनिक अमले ने कार्यक्रम स्थल (मंडी प्रांगण) का दौरा किया। एसडीएम सत्यनारायण दर्रा, एसडीओपी अर्चना रावत और तहसीलदार शिवराम कनासे ने मंच की सुरक्षा, पार्किंग और बैठक व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों ने निर्देश दिए हैं कि कार्यक्रम के दौरान आम जनता और वीआईपी मेहमानों के आने-जाने के रास्ते अलग-अलग रखे जाएं ताकि किसी को परेशानी न हो।

आशापुरी-पार्वती माता पंचकोशी यात्रा आज से शुरू, पांच दिवसीय यात्रा 8 फरवरी को

दैनिक इंदौर संकेत

महेश्वर • आशापुरी-पार्वती माता (जामगेट) पंचकोशी पदयात्रा शुक्रवार को ग्राम आशापुर, महेश्वर से शुरू हुई। यह पांच दिवसीय यात्रा 10 फरवरी तक चलेगी। इस दौरान श्रद्धालु भक्ति और स्वच्छता के संकल्प के साथ कई धार्मिक स्थलों से होते हुए वापस आशापुर पहुंचेंगे। द्वितीय आशापुरी-पार्वती माता पंचकोसी पदयात्रा का शुभारंभ सुबह 9 बजे मां आशापुरी की आरती के बाद हुआ। चैत्र नवरात्र की पंचमी के अवसर पर आशापुरी माता मंदिर में विशेष पूजन, ध्वज वंदन और आरती की गई, जिसके बाद भक्तों का जत्था जामगेट की ओर रवाना हुआ। यात्रा का उद्देश्य सनातन धर्म एवं पुरातन संस्कृति की रक्षा करना बताया गया है। यात्रा संचालक महादेव पाटीदार और गोपाल मानवे ने बताया कि पहले दिन शुक्रवार को श्रद्धालु आशापुर से चलकर समसपुरा, बड़वेल फाटा, मोहना और बबलई होते हुए चोली पहुंचेंगे। प्रथम रात्रि विश्राम ग्राम सुल्याखेड़ी के हनुमान मंदिर में होगा। दूसरे दिन, 7 फरवरी शनिवार को यात्रा बागदरा और जुनापानी गोशाला होते हुए ऐतिहासिक जामगेट पहुंचेगी, जहां विंध्यवासिनी पार्वती माता के दर्शन के बाद रात्रि विश्राम किया जाएगा। तीसरे दिन, 8 फरवरी रविवार को यात्रा जामगेट से बागदरा, गुलावड़ के प्राचीन नाग मंदिर, कवड़िया और कुंडिया होते हुए शाम को उमियाधाम करोंदिया पहुंचेगी। यहां माता उमिया के दर्शन के बाद तृतीय रात्रि विश्राम होगा। चौथे दिन, 9 फरवरी सोमवार को करोंदिया से चलकर यात्रा धरगांव के सांवरिया सेठ मंदिर और मंडलेश्वर होते हुए शाम को महेश्वर के ऐतिहासिक राजराजेश्वर मंदिर पहुंचेगी। पांचवें और अंतिम दिन, 10 फरवरी मंगलवार को महेश्वर नगर के मुख्य मार्गों और भवानी माता मंदिर के दर्शन के बाद यात्रा इटावदी, करौली होते हुए पुन: आशापुर पहुंचेगी। यात्रा का समापन आशापुर में ध्वज पूजन और महाभंडारे के साथ होगा।

ब्लड डोनेट कर ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के वीआईपी दर्शन होंगे; खंडवा कलेक्टर ने दिए निर्देश

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • रक्तदान को जनआंदोलन का रूप देने की दिशा में जिला प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में स्थायी ब्लड डोनेशन यूनिट शुरू करने के निर्देश दिए हैं। मंदिर ट्रस्ट और रेडक्रास सोसायटी से कहा कि एक महीने के भीतर यह व्यवस्था शुरू की जाए। ताकि, दर्शन के लिए आने वाले लोग मंदिर में रक्तदान कर सकें। दरअसल, काशी विश्वनाथ, तिरूपति बालाजी मंदिर और शिर्डी स्थित सांई मंदिर में पूर्व से यह व्यवस्था दी गई हैं कि जो श्रद्धालु ब्लड डोनेट करेगा, वह फ्री में वीआईपी दर्शन कर सकेगा। मंदिर प्रशासन और ट्रस्ट के जरिए रक्तदाता श्रद्धालुओं को सर्टिफिकेट भी दिए जाएंगे। साथ ही दर्शन के दौरान वीआईपी सुविधाएं मुहैया कराई जाएगी। यह सुझाव रक्तदाता शैलू मंडलोई ने जिला प्रशासन को दिया था। आज गुरूवार को रक्तदान जागरूकता संबंधी बैठक में प्रशासन ने अमल किया और निर्देश जारी किए हैं। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में रक्तदान से जुड़े समाजसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों की बैठक को संबोधित करते हुए कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. अनिरुद्ध कौशल को निर्देश दिए कि रक्तदान करने वालों को फल, ताजे फलों का रस, प्रेरक संदेशों वाले कैरी बैग और चाभी के छल्ले जैसे स्मृति चिन्ह उपलब्ध कराए जाएं। रक्त दान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए शीघ्र ही एक विशाल रैली आयोजित की जाए, जिसमें सभी समाजसेवी संगठनों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए।

ठंड का असर तेज, आने वाले दिनों में बारिश की संभावना कम, हल्की बूंदाबांदी के आसार

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • पश्चिमी विक्षोभ का असर कमजोर पड़ने के बाद शुक्रवार सुबह बादल छटने के बाद ठंड का असर तेज हो गया। चार दिनों बाद न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस से नीचे आ गया, जिससे लोगों को फिर से ठंड का एहसास हुआ। शुक्रवार सुबह खरगोन का न्यूनतम तापमान 11.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इससे पहले लगातार चार दिनों तक तापमान 12 डिग्री से ऊपर बना हुआ था। वहीं अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस पर स्थिर रहा। शहर में घना कोहरा छाया रहा। कोहरे का असर बना रहा, जिससे सड़कों पर दृश्यता कम हो गई और आम जनजीवन पर हल्का असर पड़ा।मौसम विभाग ने पहले मावठे की संभावना जताई थी, लेकिन पश्चिमी विक्षोभ कमजोर होने से खरगोन सहित पश्चिमी क्षेत्रों में बारिश की संभावना कम हो गई है। हालांकि, बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी के कारण कुछ स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। पिछले पांच दिनों से खरगोन में अधिकतम तापमान 30 से 31 डिग्री और न्यूनतम तापमान 11 से 12 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है। गुरुवार को अधिकतम 30.4 और न्यूनतम 12.4 डिग्री, बुधवार को 30.0 और 11.8 डिग्री, मंगलवार को 30.2 और 11.6 डिग्री, सोमवार को 30.4 और 12.0 डिग्री तथा रविवार को 30.8 और 12.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

माझी-कहार समाज का 121 जोड़ों का सामूहिक विवाह, मृत्युभोज प्रथा खत्म करने का फैसला

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • माझी-कहार समाज का एक विशाल सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर समाज के 121 जोड़े विवाह बंधन में बंधे। सम्मेलन में मृत्युभोज लायण प्रथा को बंद करने का महत्वपूर्ण निर्णय भी लिया गया। इस आयोजन में खरगोन के अलावा खंडवा, बड़वानी, बुरहानपुर, धार और इंदौर से भी 40 हजार से अधिक समाजजनों ने भाग लिया। समिति ने नवविवाहित जोड़ों को समाज की ओर से उपहार और गृहस्थी का सामान भेंट किया। समारोह में पूर्व कृषि राज्यमंत्री और खरगोन विधायक बालकृष्ण पाटीदार, कलेक्टर भव्या मित्तल और नगर पालिका अध्यक्ष छाया जोशी सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। नवविवाहित जोड़ों को मुख्यमंत्री कन्यादान योजना का लाभ भी प्रदान किया गया।

दो दिन में होंगे 350 ऑपरेशन, 120 मरीजों की सर्जरी, 1250 लोगों का नि:शुल्क नेत्र परीक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • दाऊदी बोहरा समाज के धर्मगुरु हिज़ होलीनेस डॉ. सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन की प्रेरणा से दरगाह-ए-हकीमी और विजन प्लस फाउंडेशन, मुंबई द्वारा स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से आठवां विशाल नि:शुल्क नेत्र शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कुल 1250 लोगों की आंखों की जांच की गई, जिनमें से 350 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया। शिविर का शुभारंभ मुंबई से आए मुस्ता अली भाई साहब के आशीर्वचन से हुआ। उन्होंने सैयदना साहब का संदेश दोहराते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर से ही स्वस्थ समाज का निर्माण होता है और आंखें शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडीएम वीरसिंह चौहान ने दरगाह-ए-हकीमी द्वारा पिछले 10 वर्षों से निरंतर आयोजित किए जा रहे मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविरों को मानव सेवा की मिसाल बताया। सीएसपी गौरव पाटिल ने पद्मश्री डॉ. टी. पी. लहाने के सेवा भाव को उनके पुत्र डॉ. सुमित लहाने द्वारा आगे बढ़ाए जाने की सराहना की। शहर आमिल

शेख युसूफ जमाली ने कहा कि मुंबई और पुणे जैसे महानगरों के अनुभवी चिकित्सकों की दक्षता और ईश्वर की कृपा से असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं। शिविर में डॉ. सुमित लहाने (मुंबई) ने मरीजों की जांच की। दरगाह-ए-हकीमी द्वारा शिविर में आए करीब 750 मरीजों के ठहरने और भोजन की संपूर्ण व्यवस्था की गई। विजन प्लस फाउंडेशन के मुस्तफा मलकापुरवाला और जौहर नवाब ने बताया कि केवल चिकित्सकीय रूप से फिट पाए गए मरीजों का ही फेंको पद्धति से मोतियाबिंद ऑपरेशन किया जा रहा है। ऑपरेशन शुक्रवार से श्यामा प्रसाद मुखर्जी नेत्र अस्पताल में शुरू हुए, जो 7 फरवरी शनिवार तक जारी रहेंगे।

टी-20 वर्ल्ड कप का आगाज आज से, ओपनिंग सेरेमनी के बाद यूएसए के खिलाफ उतरेगा भारत

मुंबई (एजेंसी) • टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का आगाज शनिवार, सात फरवरी से होने जा रहा है। पहले दिन भारत, पाकिस्तान और वेस्टइंडीज जैसी बड़ी टीमें एक्शन में होंगी। पाकिस्तान ने पहले ही भारत के खिलाफ मैच का बॉयकॉट कर टूर्नामेंट का माहौल गर्म कर दिया है। भारत और पाकिस्तान के बीच 15 फरवरी को टूर्नामेंट का सबसे बड़ा मुकाबला खेला जाना है। उससे पहले दोनों टीमों को ही लीग स्टेज के 2-2 मुकाबले खेलने हैं। भारत यूएसए के खिलाफ मैदान में उतरेगा।

इस ओपनिंग सेरेमनी का सबसे आकर्षक पल तब आएगा, जब आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी की एंट्री होगी। खास बात यह है कि ट्रॉफी को एक जेटपैक परफॉर्मर द्वारा स्टेडियम में लाया जाएगा, जो दर्शकों के लिए किसी फिल्मी सीन से कम नहीं होगा। यह नज़ारा क्रिकेट इतिहास के सबसे अनोखे पलों में शामिल हो सकता है। आईसीसी मेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत सात फरवरी को मुंबई के ऐतिहासिक वानखेड़े स्टेडियम में एक भव्य और सितारों से सजी ओपनिंग सेरेमनी के साथ होगी। सेरेमनी की शुरुआत शाम छह बजे होगी, जहां मशहूर म्यूजिशियन ऋषभ शर्मा और शिवमणि अपने दमदार म्यूजिकल परफॉर्मेंस से माहौल को ऊर्जा से भर देंगे। उनके सुरों के बीच वानखेड़े का हर कोना जोश और उत्साह से गूंज उठेगा। इसके बाद रैपर बादशाह अपनी हिट बीट्स से दर्शकों को झूमने पर मजबूर करेंगे, वहीं नोरा फतेही का ग्लैमर्स डांस परफॉर्मेंस समारोह में चार चांद लगा देगा।

हेजलवुड टी20 विश्व कप से बाहर हुए : सीए

सिडनी (एजेंसी) •भारत और श्रीलंका की मेजबानी में शुरू हो रहे टी-20 विश्वकप से पहले ऑस्ट्रेलिया को झटका लगा है, अनुभवी तेज गेंदबाज जॉश हेजलवुड हैमस्ट्रिंग चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। 35 साल के हेजलवुड 12 नवंबर को शेफील्ड शील्ड के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। क्रिकेट

ऑस्ट्रेलिया के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया की शुरुआती विश्व कप टीम में शामिल होने के बावजूद, तेज गेंदबाज सिडनी में ही रहे, जबकि बाकी टीम इस सप्ताह की शुरुआत से श्रीलंका में है।कोलंबो में आयरलैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के पहले ग्रुप-स्टेज मैच से सिर्फ पांच दिन पहले, राष्ट्रीय चयनकर्ता टोनी डोडमेडे ने कहा है कि हेजलवुड समय पर ठीक नहीं हो पाएंगे।

मंधाना को डब्ल्यूपीएल ट्रॉफी के साथ ही मिला प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड

वडोदरा (एजेंसी) •महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में स्मृति मंधाना की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने दूसरी बार खिताब जीत है। इस जीत के दौरान मंधान ने 87 रनों की आक्रामक पारी खेली जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। आरसीबी ने इससे पहले 2024 में डब्ल्यूपीएल का खिताब जीता है। आरसीबी को विजेता बनने पर 6 करोड़ का इनाम मिला। वहीं चौथी बार फाइनल में उपविजेता रही दिल्ली कैपिटल्स को 3 करोड़ का इनाम मिली। इसके अलावा स्मृति मंधाना, हरमनप्रीत कौर और सोफी डिवाइन को भी पांच-पांच लाख रुपये की इनामी राशि मिली है। मंधाना ने लीग में सबसे अधिक 377 रन बनाये। वहीं सोफी डिवाइन ने 17 विकेट के साथ पर्पल कैप

जीती। युवा खिलाड़ी नंदनी शर्मा ने भी 17 विकेट लिए जिसके लिए उस भी उभरती हुई खिलाड़ी का इनाम मिला। सोफी को मोस्ट वेल्यूएबल प्लेयर और मोस्ट आईक्यू ऑफ द ईयर का इनाम मिला। नंदनी को साल की ईमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर का अवार्ड मिला। मुम्बई की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस साल लीग में सबसे ज्यादा छक्के लगाए। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को जीत पर 6 करोड़ की ईनामी राशि मिली जबकि उपविजेता दिल्ली को 3 करोड़ रुपये मिले। फेयर प्ले अवार्ड के तौर पर मुम्बई को पांच लाख का इनाम मिला है। डब्ल्यूपीएल में सभी खिलाड़ियों को पांच लाख के इनाम दिये गये हैं। वहीं मैन ऑफ द मैच के लिए मंधाना हो ढाई लाख रुपये मिले हैं।

फिल्म 'योगी दा' में साई धनशिका ने खुद किए स्टंट

मुंबई (एजेंसी) • अभिनेत्री साई धनशिका अपनी आने वाली फिल्म 'योगी दा' को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री इस एक्शन एंटरटेनर में दमदार स्टंट करती दिखाई देंगी। हाल ही में अभिनेत्री ने एक इवेंट में बताया कि फिल्म में किए गए हर एक्शन सीक्वेंस उन्होंने बिना किसी बॉडी डबल के खुद पूरा किया है। उनका कहना है कि अगर महिलाएं ठान लें, तो वे किसी भी मामले में पुरुषों से पीछे नहीं हैं, खासकर स्टंट और एक्शन के मामले में। धनशिका ने कहा कि उनका पहला एक्शन अनुभव फिल्म 'पेरानमाई' में हुआ था, जिसने आगे चलकर उनकी काफी मदद की। 'योगी दा' में शूट किए गए सभी एक्शन सीन्स के दौरान उन्होंने खुद को लगातार चुनौती दी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि फिल्म का संदेश बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि आज महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं, और समाज अक्सर यह मान लेता है कि शारीरिक चोट के बाद एक महिला फिर से पहले जैसी नहीं हो सकती।

फिल्म 'ओ रोमियो' का नया गाना 'इश्क का फीवर' रिलीज

मुंबई (एजेंसी) • फिल्म 'ओ रोमियो' का नया गाना 'इश्क का फीवर' रिलीज कर दिया है। खास बात यह है कि इस गीत को अरिजीत सिंह ने अपनी आवाज दी है। कुछ दिनों पहले ही अरिजीत ने प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास लेने की घोषणा की थी, ऐसे में उनका यह नया गीत सुनना फैंस के लिए किसी सरप्राइज गिफ्ट से कम नहीं है। गाने का संगीत विशाल भारद्वाज ने तैयार किया है, जबकि इसके बोल मशहूर गीतकार गुलजार ने लिखे हैं। 'इश्क का फीवर' की शुरुआत फरीदा जलाल की एक प्रभावी लाइन से होती है, जो आगे चलकर एक खूबसूरत और रोमांटिक मेलोडी में ढल जाती है। गीत में शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की कोमल केमिस्ट्री पूरे गाने की भावनाओं को और गहराई देती है। यह ऐसा गीत है जो धीरे-धीरे श्रोताओं के दिल में उतरता जाता है। टी-सीरीज के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध यह गाना वैलेंटाइन वीक के लिए एकदम परफेक्ट माना जा रहा है। अरिजीत सिंह की सुमधुर आवाज और गुलजार के भावपूर्ण बोल इस रोमांटिक समय के लिए एक खास एहसास लेकर आते हैं।

उज्जैन संभाग

महाकाल मंदिर में महिला श्रद्धालु से मारपीट, धक्का देकर बाहर निकाला

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन •महाकालेश्वर मंदिर में मुंबई से दर्शन के लिए आई एक महिला श्रद्धालु के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि मंदिर के सुरक्षाकर्मियों ने महिला को धक्का देकर बाहर निकाल दिया। इस दौरान महिला रोती और चिल्लाती रही। मौके पर मौजूद लोग वीडियो बनाते रहे। सुरक्षाकर्मियों और वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने महिला के साथ खड़े दूसरे श्रद्धालुओं को भी बाहर निकालकर गेट बंद कर दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। घटना के बाद मंदिर समिति ने महिला पर मंदिर में हंगामा करने और सुरक्षाकर्मियों के साथ मारपीट करने का आरोप लगाते हुए थाने में आवेदन दिया है। मामला गुरुवार रात करीब 10 बजे का है।

महाकाल मंदिर में इन दिनों बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। इसी कारण सुरक्षाकर्मियों और श्रद्धालुओं के बीच विवाद की घटनाएं बढ़ रही हैं। मुंबई से तीन महिला दोस्तों के साथ आई रेशमा सोनवाड़े दर्शन लाइन में लगी हुई थीं। महिला का कहना है कि चांदी की पालकी गेट के सामने टनल में दर्शन के दौरान पुरुष गार्ड महिलाओं के कंधे पर हाथ रखकर लोगों को आगे धकेल रहे थे। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो एक महिला गार्ड को बुलाकर उनके साथ मारपीट की गई। महिला का आरोप है कि मारपीट में चार पुरुष गार्ड भी शामिल थे। मारपीट के दौरान कुछ दूसरे श्रद्धालुओं को भी धक्का देकर मंदिर से बाहर कर दिया गया। इसके बाद गेट बंद कर दिया गया। मौके पर काफी हंगामा हुआ। कई श्रद्धालु महिला के साथ हुई मारपीट से नाराज दिखे और सुरक्षाकर्मियों पर जबरदस्ती करने के आरोप लगाए।

मुंबई से आई महिला श्रद्धालु ने अपने साथ हुई

मारपीट को लेकर महाकाल थाने में आवेदन दिया है। महिला ने बताया कि करीब आठ लोगों ने उसके साथ मारपीट की। उसने कहा कि महाकाल मंदिर में दर्शन नहीं हो सके और वह बहुत बुरा अनुभव लेकर लौट रही है। इधर, इस घटना को लेकर महिला सुरक्षाकर्मी ने भी महाकाल थाने में महिला श्रद्धालु के खिलाफ आवेदन दिया है। महिला गार्ड का कहना है कि श्रद्धालु लाइन रोक रही थी। आगे बढ़ने को कहा गया तो उसने विवाद शुरू कर दिया। इसी दौरान हाथापाई हुई। बाहर निकलने को कहने पर महिला श्रद्धालु ने महिला गार्ड का गला पकड़ लिया और नाखून से हमला किया, जिससे कुछ गार्ड घायल हुए।

उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में भस्म आरती के दौरान हंगामे के बाद मारपीट हो गई। मंदिर के गार्ड ने आरोप लगाया कि उज्जैन कोर्ट से आए एक कर्मचारी 10 लोगों को परमिशन पर 19 को अंदर ले जा रहे थे। रोका तो मारपीट शुरू कर दी। उनके पास रेडियो फ्रिक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन बैंड भी नहीं था।

दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट 9 के खिलाफ क्रॉस केस दर्ज

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन •नीलगंगा थाना क्षेत्र के संजयनगर में मकर संक्रांति पर हुई कहासुनी के विवाद को लेकर बुधवार-गुरवार रात दो पक्ष आपस में भिड़ गए। उनके बीच जमकर मारपीट व मकान और गाड़ी में भी तोड़फोड़ की गई। नीलगंगा थाना पुलिस को घटना की जानकारी लगी तो मौके पर पहुंची। पुलिस ने बताया कि पतंग को लेकर मकर संक्रांति पर क्षेत्र में रहने दो परिवार को आपस में कहासुनी हुई थी। इसी बात पर वापस से झगड़ा हुआ है, जिसमें एक पक्ष से नवीन व दूसरे पक्ष से कलाबाई फरियादी है। दोनों पक्ष के खिलाफ मारपीट, तोड़फोड़ समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज करते हुए नौ लोगों को नामजद आरोपी बनाया है। झगड़े में दोनों पक्ष से महिलाओं को भी चोट आई। केस दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

शहर में एक हजार से ज्यादा होम स्टे, इनमें से मात्र 92 के पास टूरिज्म बोर्ड की अनुमति

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • श्री महाकालेश्वर मंदिर के दर्शन के लिए जा रहे हैं तो आपको मंदिर से करीब 500 मीटर पहले से ही आसपास सभी जगह नजर घुमाने पर अधिकांश जगह होम स्टे, होटल और यात्री गृह की बिल्डिंग नजर आएगी। इनमें सबसे ज्यादा संख्या होम स्टे की है। शहर में करीब एक हजार से ज्यादा होम स्टे संचालित हो रहे हैं, लेकिन भास्कर ने जब वैध रूप से संचालित होम स्टे का आंकड़ा खंगाला तो पता चला कि केवल 92 होम स्टे ही रजिस्टर्ड हैं। यानी बाकी होम स्टे का संचालन अवैध रूप से किया जा रहा है। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा इसका रजिस्ट्रेशन किया जाता है। बोर्ड की ओर से केवल 92 होम स्टे का ही रजिस्ट्रेशन किया है। प्रशासन, पुलिस और नगर निगम की टीमों के बीच भी समन्वय नहीं होने से इन होम स्टे पर किसी का भी पूरी तरह नियंत्रण नहीं है। जिसकी वजह से लगातार बिना किसी अनुमति या पंजीयन के होम स्टे संचालित हो रहे हैं।

दो दिवसीय कार्यशाला, पुष्प प्रदर्शनी का शुभारंभ किसानों को उद्यानिकी फसलों की आधुनिक तकनीकों

दैनिक इंदौर संकेत

आगर - मालवा • किसान कल्याण वर्ष-2026 के तहत दो दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला और पुष्प प्रदर्शनी का गुरवार को शुभारंभ हुआ। यह आयोजन नवीन कम्युनिटी हॉल में एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के अंतर्गत किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर प्रीति यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष ओम मालवीय, उज्जैन संभाग के संयुक्त संचालक उद्यान आशीष कुमार कनेश, भारतीय किसान संघ के जिलाध्यक्ष रामनारायण तेजरा और जिला मंत्री राधुसिंह मौजूद रहे। संयुक्त संचालक उद्यान आशीष कुमार कनेश ने किसानों को उद्यानिकी फसलों की आधुनिक तकनीकों और विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यशाला में कई विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए। कृषि वैज्ञानिक डीके तिवारी ने प्राकृतिक खेती पर, वरिष्ठ वैज्ञानिक आरपीएस शक्तावत ने संतरा उत्पादन की उन्नत तकनीकों पर और शाजापुर कृषि विज्ञान केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक जीआर अंबावतिया ने औषधीय एवं सुगंधित फसलों की खेती पर जानकारी दी। डॉ. गायत्री रावल ने उद्यानिकी फसलों के मूल्य संवर्धन पर मार्गदर्शन दिया। मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष ओम मालवीय ने किसानों से उद्यानिकी फसलों की उन्नत तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। कलेक्टर प्रीति यादव ने फूलों की खेती को आय बढ़ाने का प्रभावी तरीका बताया और किसानों को इससे जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। रामनारायण तेजरा ने उद्यानिकी फसलों में नई तकनीकों के उपयोग पर जोर दिया। कार्यक्रम स्थल पर पुष्प प्रदर्शनी के अलावा सूक्ष्म ड्रिप सिंचाई, सब्जी, फल, मसाला, प्राकृतिक खेती और प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना से संबंधित उत्पादों की सजीव प्रदर्शनी भी लगाई गई।

किसान ने खेत में उगाई अफीम, पुलिस ने 1300 पौधे जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • जिले के माकड़ोन थाना क्षेत्र में पुलिस ने लहसुन की फसल की आड़ में की जा रही अफीम की अवैध खेती का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने एक किसान के खेत से 1300 अफीम के पौधे जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अभिषेक रंजन के पर्यवेक्षण और एसडीओपी तराना भविष्य भास्कर के मार्गदर्शन में जिलेभर में मादक पदार्थों के खिलाफ सघन अभियान चलाया जा रहा है। 5 फरवरी 2026 को माकड़ोन थाना प्रभारी उनि प्रदीप सिंह राजपूत को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम नांदेड निवासी रघुनाथ उर्फ रुगनाथ देवड़ा अपने खेत में लहसुन की फसल के बीच अफीम

के पौधे उगा रहा है। सूचना के बाद पुलिस टीम स्वतंत्र गवाहों के साथ नांदेड-देवली रोड स्थित खेत पर पहुंची। तलाशी के दौरान लहसुन की कतारों के बीच छोटे-छोटे हरे पौधे मिले, जिनकी जांच में अफीम के पौधे होने की पुष्टि हुई। पुलिस ने मौके से 26 गड्डरों में कुल 1300 अफीम के पौधे जब्त किए। इनका कुल वजन लगभग 6 किलो 100 ग्राम और अनुमानित बाजार कीमत 60 हजार रुपए बताई गई है। आरोपी रघुनाथ उर्फ रुगनाथ देवड़ा (50) निवासी ग्राम नांदेड को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/18(सी) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

साइबर ठगों ने किसान से 1.65 लाख की ठगी की

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन •अज्ञात साइबर ठगों ने एक किसान को 5 रुपए के पुराने नोट के नाम पर 19 लाख रुपए का इनाम दिलाने का लालच देकर 1 लाख 65 हजार रुपए ठग लिए। ठगों ने व्हाट्सएप के माध्यम से किसान को अपने जाल में फंसाया और अलग-अलग किस्तों में रकम अपने खातों में ट्रांसफर करवा ली। पीड़ित ने इस मामले की शिकायत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर दर्ज कराई है।किसान भेरूलाल ने बताया कि 13 जनवरी को उनके व्हाट्सएप नंबर पर दो अलग-अलग मोबाइल नंबरों से संदेश प्राप्त हुए। इन संदेशों में 5 रुपए के नोट की एक तस्वीर भेजी गई थी और उनसे पूछा गया था कि क्या उनके पास ऐसा ही नोट है, तो उसकी फोटो भेजें। ठगों ने दावा किया कि यदि नोट का मिलान हो जाता है, तो उनके खाते में 19 लाख रुपये की इनाम राशि ट्रांसफर कर दी जाएगी। इस लालच में आकर भेरूलाल ने अपने पास मौजूद एक पुराने 5 रुपए के नोट की फोटो बताए गए मोबाइल नंबरों पर भेज दी।

न्यूज़ ब्रीफ

इंडस्ट्रियल एरिया में नाले में गंदा पानी छोड़ने पर कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार तथा नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन तथा नगर निगम इंदौर द्वारा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित नाले में फैक्ट्रियों द्वारा दूषित पानी छोड़े जाने के मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए स्पॉट फाइन लगाया गया है। कार्रवाई के दौरान B-M Dryers पर 25 हजार रुपये का, इलेक्ट्रो मशीनरी इंजीनियरिंग पर 10 हजार रुपये का, रायल प्लास्टिक पर 25 हजार रुपये का तथा चिराग इंडिया डिटर्जेंट पर 20 हजार रुपये का स्पॉट फाइन लगाया गया। इस प्रकार कुल 80 हजार रुपये की स्पॉट फाइन कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई के दौरान नगर निगम के अपर आयुक्त प्रखर सिंह, नायब तहसीलदार ओंकार मनागे, जोन-17 के जोनल अधिकारी नरेंद्र कुरील, आशीष कापसे तथा उपयंत्री सिद्धांत मेहता सहित संबंधित टीम मौजूद रही।

राज्यपाल बच्चों के साथ 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में हुए शामिल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने लोकप्रिय कार्यक्रम 'परीक्षा पे चर्चा' को छात्र-छात्राओं के साथ भोपाल स्थित लोक भवन में देखा। इस अवसर पर लोक भवन के जवाहर खण्ड में राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी और लोक भवन परिसर में रहने वाले परिवारों के बच्चे उपस्थित थे। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह कार्यक्रम अभूतपूर्व है। देश के प्रधानमंत्री का विद्यार्थियों के साथ सीधा संवाद सार्थक और नवाचारी है, जो विद्यार्थियों को जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन देता है। चुनौतियों के समाधान के लिए नई प्रेरणा और आत्मबल प्रदान करता है। परीक्षा काल के दौरान आने वाली चुनौतियों और कठिनाईयों को दूर करने के तरीके और तकनीक बताता है।

प्रदेश में बुजुर्गों के लिए शुरू हुई होप योजना, घर तक पहुंचेगा इलाज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश में अब बुजुर्गों को घर बैठे इलाज मिल सकेगा। स्वास्थ्य विभाग ने 'होप योजना' शुरू की है, जिसके तहत नर्सिंग स्टाफ अब बुजुर्गों के घर जाकर उनकी स्वास्थ्य जांच और इलाज करेंगे। यह योजना खासकर उन बुजुर्गों के लिए है जो चलने-फिरने में असमर्थ हैं। ऐसी बुजुर्ग महिलाएं और पुरुष जो कई सालों से बीमार हैं। बिस्तर से उठ तक नहीं सकते हैं। इन्हें अब राहत मिलने वाली है। इस योजना का नाम होप (होम बेस्ड केयर प्रोग्राम फॉर एल्डरली) है।

इसके तहत नर्सिंग स्टाफ अब बुजुर्गों के घर जाकर उनकी स्वास्थ्य जांच और इलाज करेंगे। यह कदम बुजुर्गों की स्वास्थ्य सुविधाओं को उनके घर तक पहुंचाने में मदद करेगा। होप योजना राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की एक पहल है, जिसका मुख्य उद्देश्य उन बुजुर्गों तक इलाज पहुंचाना है, जो चलने-फिरने में असमर्थ हैं। इसके अलावा, यह योजना उन बुजुर्गों का इलाज करने के लिए भी है जो गंभीर बीमारियों जैसे लकवा या मानसिक समस्याओं से जूझ रहे हैं। मध्यप्रदेश में लगभग 1 लाख बुजुर्ग हैं, जिनके लिए अस्पताल जाना बहुत मुश्किल हो जाता है।

अब तक यह योजना प्रदेश के 6 बड़े शहरों - भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन और रीवा में लागू की गई है। इसके तहत बुजुर्गों को घर बैठे इलाज की सुविधा मिल रही है। अब तक 1214 बुजुर्गों ने होप एप में रजिस्ट्रेशन कराया है। सबसे बड़ी बात यह है कि सबसे ज्यादा मरीज भोपाल से हैं।

इस तरह होगी इलाज-हर आशा कार्यकर्ता अब बुजुर्गों का सर्वे करेगी। शहरी स्वास्थ्य केंद्र में काम कर रही नर्सिंग ऑफिसर को एक खास जिम्मेदारी दी जाएगी। उनका काम होगा बुजुर्गों का चयन करके होप एप में उनकी जानकारी डालना। इसके बाद, नर्सिंग ऑफिसर होप किट लेकर बुजुर्ग के घर जाएगी और बीपी, शुगर, वजन जैसी जरूरी जांच करेगी। साथ ही, एक फॉलोअप प्लान तैयार किया जाएगा। होप किट में ग्लूकोमीटर, बीपी मशीन, वेटिंग मशीन जैसे उपकरण होंगे। सारी जानकारी होप एप में डिजिटल रूप से सेव की जाएगी ताकि इलाज में कोई रुकावट न हो। जरूरत पड़ने पर टेली मानस के जरिए डॉक्टर से भी संपर्क किया जाएगा।

देखभाल के तरीके बताए जाएंगे-इसमें नर्सिंग की देखभाल, मानसिक स्वास्थ्य सहायता, मानसिक सपोर्ट, रिहैबिलिटेशन और फिजियोथेरेपी शामिल हैं। साथ ही, घर के बाकी सदस्य को भी बुजुर्ग की देखभाल करने के तरीके (एमपी स्वास्थ्य विभाग) बताए जाएंगे।

इसलिए जरूरी है ये योजना-मध्यप्रदेश में 60 साल से ऊपर की उम्र के लोगों की संख्या 2025 में 57.12 लाख है। 2050 तक यह संख्या बढ़कर 1.82 करोड़ हो सकती है। इसी वजह से यह सुविधा शुरू की गई है। डॉ. सलोनी सिदाना, एमडी, एनएचएम ने बताया कि ये योजना बुजुर्गों के लिए एक नई उम्मीद लेकर आई है। खासकर उन वृद्धजनों के लिए, जो लकवे, ऑपरेशन के बाद की कमजोरी या गंभीर बीमारियों की वजह से चल-फिर नहीं सकते। ऐसे बुजुर्गों की दुनिया अब चार दीवारों तक सीमित हो गई है। उनके लिए यह योजना एक नई आशा की तरह है।

इंदौर में सीएम मोहन यादव बोले- उड़द, मसूर पर किसानों को देंगे प्रोत्साहन राशि

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर पहुंचे सीएम डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को किसान और दाल मिल कारोबारियों के हित में अहम बातें कहीं। सीएम ने शुक्रवार को दाल मिल एसोसिएशन के कार्यक्रम में मंडी टैक्स छूट को लेकर कहा कि धीरे-धीरे सभी होगा। साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि यह किसान वर्ष है, किसानों के लिए कार्यक्रम किया जाएगा। हम उड़द, मसूर दाल उपज बढ़ाने के लिए किसानों को प्रोत्साहन राशि देने पर भी विचार कर रहे हैं।

दाल मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने कार्यक्रम में टैक्स छूट की मांग रखी। उन्होंने कहा कि एमपी में दोहरा टैक्स है। देश के बाहर से या अन्य राज्य से एमपी में आने वाली दलहन पर टैक्स लगता है, जबकि गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ में यह नहीं है। इसके चलते पहले एमपी में 1300 दाल मिल थी जो घटकर 900 रह गई। यह दाल मिल दाहोद, जलगांव, रायपुर, नागपुर जैसी जगह शिफ्ट हो रही है। एसोसिएशन ने मंडी शिफ्ट करने और दाल मिल के लिए अलग से जमीन देने की भी मांग रखी। इस पर सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा दाल आम व्यक्ति का भोजन है और प्रोटीन की जरूरत इसी से पूरी होती है। किसान के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। हमने तुअर में टैक्स छूट दी है। आगे भी अन्य जो मांग है इस पर काम किया जाएगा। सभी से आह्वान है कि फैक्ट्री एमपी में खोलें, यहां रोजगार दें। इसके लिए हम रोजगार देने पर प्रति लेबर 5000 रुपए भी दे रहे हैं। बिजली, पानी, जमीन, टैक्स छूट सभी दी जाएगी, आप इंडस्ट्री लगाओ और रोजगार दो।

अच्छे काम में कोई अड़चन नहीं आने दी जाएगी। एयर कार्गो भी शुरू कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि आज देश का नेतृत्व 56 इंच के सीने वाले पीएम नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। इससे देश लगातार आगे बढ़ रहा है, अब हमारे बजट को देखकर अन्य देश नीति तय करते हैं। भारत अब किसी से प्रभावित नहीं होता। सीएम नेमावर स्थित स्वामीनारायण मंदिर भी पहुंचे और पूजा की। उनके साथ मंत्री तुलसीराम सिलावट, पूर्व महापौर कृष्णमुरारी मोघे, महापौर पुष्यमित्र भार्गव के साथ ही प्रदेश महामंत्री गौरव रणदिवे, नगराध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक गोलू शुक्ला, सावन सोनकर, जेपी मूलचंदानी व अन्य नेता शामिल थे। इसके पहले जनप्रतिनिधियों ने उनका एयरपोर्ट पर स्वागत किया। सीएम ने एमपी को देश का फूड बास्केट बताते हुए कहा कि सरकार किसान कल्याण वर्ष-2026 में किसानों की उन्नति के लिए लगातार कार्य कर रही है। किसानों के लिए हमारी सरकार ने पूरे 5 साल का रोड मैप बनाया है।

एमएसएमई का औद्योगिक भूमि भंडार बढ़ाने के लिए अंतरराज्यीय सीमाओं पर नज़र

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश का एमएसएमई विभाग नए विनिर्माण निवेश को आकर्षित करने के लिए अपने 2000 हेक्टेयर के औद्योगिक भूमि भंडार का विस्तार करने जा रहा है, जिसमें अंतरराज्यीय सीमाओं के निकट और अविकसित भूमि के बड़े भूभागों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि इस रणनीति का उद्देश्य परियोजनाओं को तेजी से शुरू करना, क्षेत्रीय औद्योगिक संतुलन में सुधार करना और स्थापित शहरी केंद्रों से परे नए विकास गलियारों को खोलना है। एक लचीली दोहरी रणनीति के तहत, निवेशकों की आवश्यकताओं के आधार पर कुछ भूखंड अविकसित रूप में आवंटित किए जाएंगे, जबकि चयनित स्थलों को बुनियादी ढांचे और सुविधाओं से लैस तैयार औद्योगिक समूहों में विकसित किया जाएगा। एमएसएमई आयुक्त दिलीप कुमार ने कहा कि विभाग विभिन्न औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप विभिन्न आकारों के भूखंडों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए कई जिलों में भूमि बैंकों की पहचान और विकास कर रहा है। उन्होंने कहा, 'उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार, अविकसित भूमि आवंटित की जाएगी, या इसे उद्योग-विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित किया जाएगा।' उन्होंने आगे बताया कि दिल्ली, हरियाणा और मध्य प्रदेश के ग्वालियर और शिवपुरी जैसे कुछ हिस्सों की कंपनियों ने इकाइयां स्थापित करने में रुचि दिखाई है। अधिकारियों ने कहा कि इंदौर, उज्जैन, धार, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर सहित प्रमुख विकास केंद्रों में औद्योगिक भूमि की मांग मजबूत बनी हुई है, जो विनिर्माण, रसद और कृषि-प्रसंस्करण निवेश को आकर्षित करना जारी रखे हुए हैं।

उत्तर-पूर्वी हवा कमजोर पड़ी, दिन में गर्मी जैसा अहसास

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● करीब 14 रातों से न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक दर्ज होने व उत्तर-पूर्वी हवा कमजोर पड़ने से शुक्रवार को ठंड गायब सी हो गई। दोपहर में तेज धूप चुभने लगी व गर्मी जैसा अहसास होने लगा। दिन का तापमान सामान्य से 3 डिग्री अधिक 28.8 डिग्री दर्ज किया गया। शाम को भी ठंड के तेवर कमजोर ही नजर आए। आगे भी ठंड धीरे-धीरे कम होती जाएगी। इसकी शुरुआत दिन के तापमान में बढ़ोतरी से होगी। सिर्फ सुबह व रात के समय ही ठंड महसूस होगी। फरवरी के अंतिम दिनों में गर्मी का अहसास तेज होने लगेगा। गुरुवार रात ठंड को प्रभावित करने वाले पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म होने से न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। यह 13.2 डिग्री से गिरकर 10.9 डिग्री दर्ज किया गया। इसके पहले 28 जनवरी की रात को पारा 10.8 डिग्री के लेवल पर आया था।

यूरिया को ड्रग्स बताने के केस में 3 आईपीएस की कार्यशैली पर उठे सवाल, हाईकोर्ट में याचिका

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में एक साल पहले दो करोड़ की एमडी ड्रग्स बताकर चार आरोपियों को जेल भेज तारीफ लूटने वाली पुलिस अब उलझ गई है। इसमें फील्ड पुलिस अधिकारी जहां घेरे में हैं वहीं तीन-तीन आईपीएस अधिकारियों की कार्यशैली पर भी सवाल उठ रहे हैं। इस केस में आरोपी बनाए गए निर्दोषों ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई है। साथ ही मुआवजा की मांग की है।

दरअसल ये मामला 26 फरवरी 2025 का है। पुलिस की कहानी के अनुसार कंट्रोल रूम से मिली सूचना के आधार पर तेजाजी नगर थाने के एएसआई मनोज दुबे, प्रधान आरक्षक देवेंद्र परिहार, अभिनव शर्मा, आरक्षक गोविंदा व आरक्षक दीपेंद्र राणा एबी रोड बायपास स्थित कस्तूरबा ग्राम पहुंचे।

वहां सड़क किनारे बाइक पर बैठे दो युवकों को रोका तो वह दोनों भागने लगे, फिर उन्हें पकड़ा गया। उनकी पहचान विजय पाटीदार निवासी मंदसौर और मोहम्मद शाहनवाज निवासी आजाद नगर के रूप में हुई। शाहनवाज की जेब से पाउडरनुमा पदार्थ, जिसे एएसआई रवि बट्टी और स्टाफ ने अनुभव के आधार पर एमडी (मेफेड्रॉन ड्रग) पाया।

यह तौल करने पर 198 ग्राम था। इसे सील कर पाटीदार और शहनवाज को गिरफ्तार किया। एनडीपीएस एक्ट का केस किया। पूछताछ में इसमें पुलिस आरक्षक लखन गुप्ता और राजा उर्फ राजा बाबू खान निवासी मूसाखेड़ी इंदौर का नाम आया। इन्हें भी गिरफ्तार किया गया। आरोपी जो निर्दोष थे वह इस केस में करीब 10 माह जेल में रहे और फिर जमानत हुई।

इस जब्त ड्रग को अप्रैल 2025 में भोपाल सेंट्रल लैब (सीएफएसएल) भेजा गया। जहां जून 2025 में रिपोर्ट आई कि यह ड्रग नहीं है बल्कि पोटेशियम नाइट्रेट (यूरिया) है। इसके बाद दोबारा जांच के लिए हैदराबाद सीएफएसएल भेजा गया। यहां दिसंबर 2025 में रिपोर्ट आई कि यह पोटेशियम नाइट्रेट है। यानी वहां भी जांच में यूरिया निकला। इसके बाद पुलिस ने केस खात्मा का आवेदन लगाया जहां विशेष न्यायाधीश नरसिंह बघेल ने इसे स्वीकार कर लिया। इंदौर में फार्मा दवा कंपनियों की जांच, फार्मा लेब एक्सपो में बोले अधिकारी रिशेड्यूल एम का पालन जरूरी इस पूरे केस के समय थाना तेजाजीनगर के टीआई प्रोबेशन पर आए आईपीएस आदित्य सिंघानिया थे। वहीं आजादनगर एरिया के एसीपी आईपीएस करणदीप सिंह थे।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के सवाल पर मंत्री शाह की चुप्पी

भाजपा कार्यालय में जवाब दिए बगैर कार से निकले

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. विजय शाह शुक्रवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय पहुंचे। इस बीच मीडिया ने उनसे कर्नल सोफिया को लेकर दिए गए बयानों के चलते सुप्रीम कोर्ट में होने वाली सुनवाई को लेकर सवाल किए, लेकिन मंत्री जवाब दिए बिना कार में बैठकर चले गए। इसके पहले उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और अन्य नेताओं के साथ चर्चा की। हुआ यूं कि जब मंत्री शाह भाजपा कार्यालय से निकले और मीडिया ने उनसे सुप्रीम कोर्ट में होने वाली सुनवाई को लेकर सवाल किए तो शाह कोई जवाब दिए बगैर कार में बैठकर निकल गए। मंत्री बीजेपी दफ्तर जाने से पहले पूर्व प्रदेश संगठन महामंत्री की माताजी के स्वास्थ्य का हाल जानने अस्पताल भी पहुंचे थे।

9 फरवरी को कोर्ट में देना है जवाब

मंत्री विजय शाह पर अभियोजन की मंजूरी के संबंध में मप्र सरकार को 9 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट में जवाब देना है। कोर्ट ने 15 दिनों में अभियोजन स्वीकृति का आदेश दिया था। इस मामले में लंबे विचार मंथन के बाद यह कहा जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट से सरकार अभी और वक्त मांग सकती है।

रिपोर्ट दिल्ली भेजी : मप्र सरकार ने अपनी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में रखने के लिए दिल्ली भेज दी है। इसे लेकर एसीएस गृह शिवशेखर शुक्ला, सचिव गृह कृष्णा वेणी देशावतु व अतिरिक्त सचिव मनीषा सेंतिया दिल्ली गए थे। मंत्रालय सूत्रों का कहना है कि 9 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट में अभियोजन से जुड़े मामले की सुनवाई है और 11 फरवरी को बाकी मसलों की सुनवाई संभावित है।

कांग्रेस के पूर्व पार्षद अनवर कादरी की जमानत होते ही मंदिर में उसके नाम से धमकी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● पूर्व कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी उर्फ डकैत को दो दिन पहले ही हाईकोर्ट से जमानत हुई है। लव जिहाद को फंडिंग सहित 26 अपराध के आरोपी डकैत के नाम से अब नया कांड सामने आया है। एक मंदिर में महिला ने उनके करीब होने की बात कहते हुए धमकी दी है।

इंदौर के प्रसिद्ध गोवर्धन नाथ मंदिर प्रबंधन ने पुलिस कमिश्नर और मल्हारगंज थाना प्रभारी से शिकायत की है। इसमें कहा गया है कि श्री गोवर्धन नाथ मंदिर में एक महिला के जरिए अभद्र व्यवहार, गाली-गलौज और झगड़े किए जा रहे हैं। महिला के माध्यम से पूर्व पार्षद अनवर कादरी (डकैत) के नाम पर धमकाया जा रहा है। मंदिर में रोज़ाना हजारों कृष्णभक्त आते हैं। इस वजह से उन्हें बहुत परेशानी हो रही है।

कादरी से संबंध, सबको निपटा दूंगी

मल्हारगंज थाना के अंतर्गत आने वाले प्रसिद्ध गोवर्धन नाथ मंदिर के प्रबंधन ने मंजू शर्मा के खिलाफ शिकायत की है। शिकायत में कहा गया है कि महिला के जरिए, मंदिर में भीड़-भाड़ में धक्का-मुक्की, गंदे तरीके से अभद्र व्यवहार और गाली-गलौज की जाती है।

जब विरोध किया जाता है, तो वह पूर्व पार्षद अनवर कादरी (डकैत) के नाम पर धमकाती है। कहती है कि मेरे नेता अनवर कादरी से अच्छे रिश्ते हैं, सबको निपटा दूंगी। मंदिर प्रबंधन ने इस मामले में कार्रवाई की मांग की है।

हाईकोर्ट ने दी है जमानत

हाईकोर्ट इंदौर खंडपीठ ने 4 फरवरी को जेल में बंद कादरी को जमानत दी है। जमानत मिलने की शर्त यह है कि वह हर रविवार को थाने में जाकर हाजिरी देंगे और 25 हजार का मुचलका भी भरेंगे। जब तक ट्रायल चलेगा, यह हाजिरी चलती रहेगी। अगर शर्त का उल्लंघन किया गया, तो जमानत रद्द भी हो सकती है।

श्रीगुरु सिंघ सभा के पूर्व अध्यक्ष रिंकू भाटिया शराब तस्करी में फरार, संपत्ति की जानकारी मांगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● श्री गुरु सिंघ सभा के पूर्व अध्यक्ष और शराब ठेकेदार मनजीत सिंह भाटिया उर्फ रिंकू भाटिया फंस गए हैं। जोबट (आलीराजपुर जिला) पुलिस थाने में साल 2024 में शराब तस्करी के पुराने केस में पुलिस की जांच तेज हो गई है। जोबट पुलिस ने इंदौर श्री गुरु सिंघ सभा के पूर्व अध्यक्ष रिंकू को फरार घोषित कर दिया है। अब उनकी गिरफ्तारी पर इनाम घोषित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके साथ ही इंदौर नगर निगम आयुक्त आईएएस क्षितिज सिंघल से उनकी संपत्तियों की जानकारी भी मांगी गई है। इस संबंध में द सूत्र ने जोबट टीआई विजय वास्कले से बात की। उन्होंने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि साल 2024 में अवैध शराब के दो ट्रक पकड़े गए थे। इसमें ड्राइवर, क्लीनर द्वारा रिंकू भाटिया का नाम लिया गया था। इसमें वह आरोपी हैं। आरोपी रिंकू फरार हैं और उन पर इनाम घोषित करने की प्रक्रिया की जा रही है। अभी उनकी संपत्तियों की जानकारी जुटाई जा रही है। उधर इस संबंध में रिंकू भाटिया को फोन, मैसेज किए लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

इधर हाईकोर्ट में शराब तस्करी पर यह केस

गुजरात से सटे मध्यप्रदेश के झाबुआ, आलीराजपुर, धार जैसे जिलों में हो रही शराब तस्करी पर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई पूरी हो गई है। जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की बेंच ने अब इस मामले पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। याचिकाकर्ता के वकील अनिल ओझा ने कहा कि इन जिलों में शराब तस्करी लगातार हो रही है। आबकारी विभाग बस नाम के लिए केस दर्ज कर रहा है। सिर्फ ड्राइवर और क्लीनर को आरोपी बनाया जाता है। वहीं शराब ठेकेदार, डिस्टलरी संचालक और वेयर हाउस मालिक को बचा लिया जाता है। इन जिलों में पिछले साल शराब तस्करी के 163 मामले दर्ज हुए हैं। लेकिन पुलिस और आबकारी विभाग अब तक किसी बड़े आरोपी तक नहीं पहुंच पाए। हाईकोर्ट ने इस पर सुनवाई की और अब फैसला सुरक्षित रख लिया है।

पुलिस ने यह लिखा है निगम को पत्र-जोबट थाने ने हाल ही में इंदौर निगमायुक्त को एक पत्र लिखा है। इसमें रिंकू भाटिया को फरार आरोपी बताते हुए उनकी संपत्तियों की जानकारी मांगी गई है। पत्र में लिखा गया है कि थाने में दर्ज केस के तहत फरार आरोपी मंजीत की चल और अचल संपत्तियों की जानकारी चाहिए। उस वक्त उनकी गिरफ्तारी इंदौर एयरपोर्ट से हुई थी, लेकिन बाद में वो जमानत पर बाहर आ गए थे। इसके अलावा, कई और थानों में भी उन पर शराब तस्करी के केस दर्ज हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : अक्षय तिवारी द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इंदौर (मप्र) - 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।